

राज
कॉमिक्स
विशेषांक
संख्या 2516

रूपेशलस

सुपर कमाण्डो ध्रुव



HEMANT JAGDHOBI
VIDENDRA

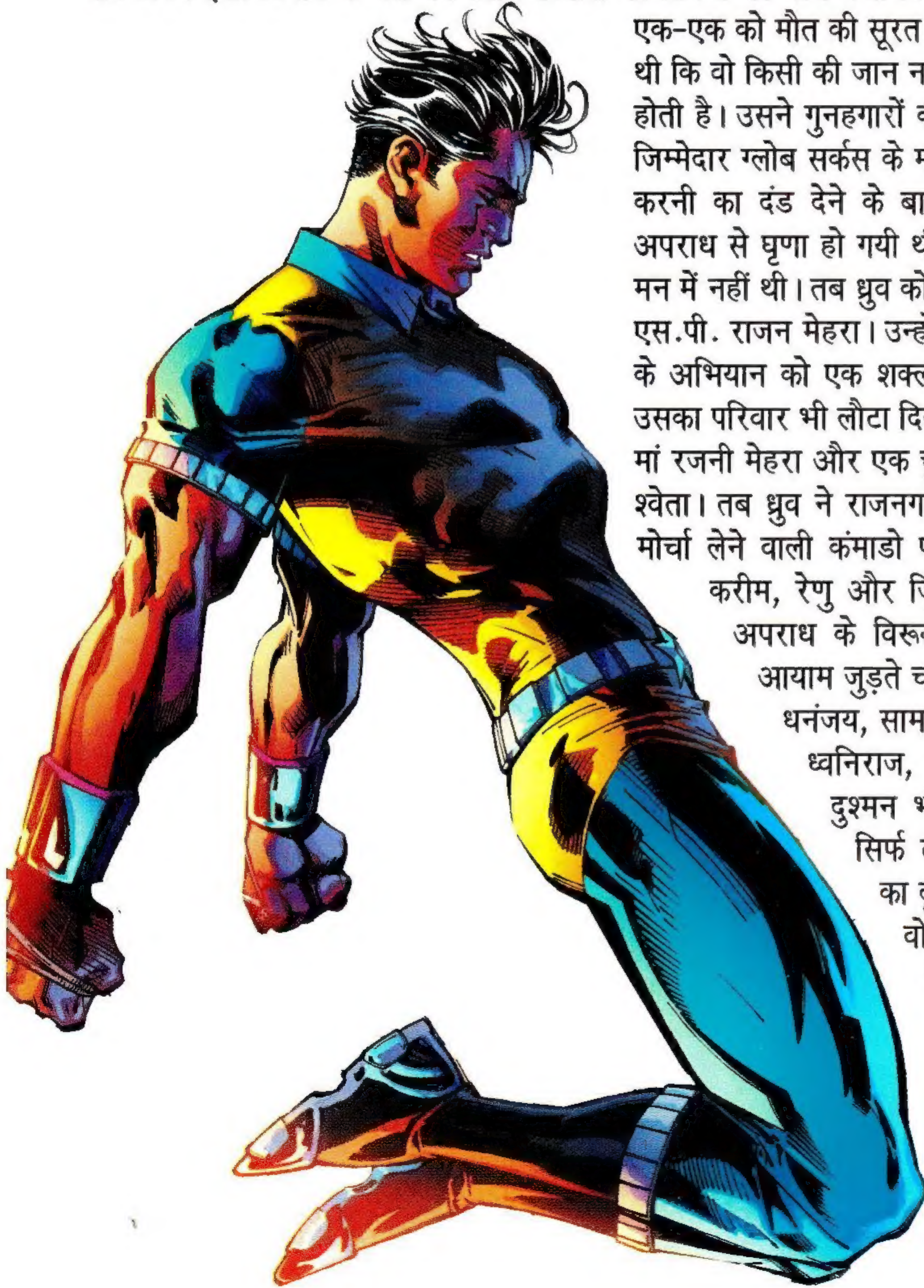
सर्वनायक वर्ष 2012

सुपर कमांडो ध्रुव

राजनगर के आकाश में चमकता अटल सितारा जिसकी चमक के आगे अपराधियों की आंखें और हौंसले दोनों चौंधियाते रहते हैं। लेकिन अपराधियों पर ग्रहण की तरह लग जाने वाले इस अपराध विनाशक की आंखों में ज्वाला जलती रहती है। प्रतिशोध की ज्वाला। और ये ज्वाला भड़की सर्कस की उस आग से जिसने ध्रुव से उसका सब कुछ छीन लिया। उसके माता-पिता राधा, श्याम, उसके ट्रेनर्स रंजन, सुलेमान, शेरखान, पवन और हरक्युलिस, सर्कस के सारे दोस्त जानवर, सर्कस के मालिक जैकब आदि सब कुछ जलकर राख हो गया। और राख हो गया सर्कस का एक उभरता करतबबाज। अब वो प्रतिशोध की आग में जलता एक अंगारा बन चुका था जिसका रुख अब गुनहगारों के अड्डे की तरफ था यानी ग्लोब सर्कस। ध्रुव सर्कस की अलग-अलग कलाओं का धनी तो था ही दिमाग का भी धनी था। अपने इसी दिमाग के बल पर उसने हत्यारों को तिगनी का नाच नचा दिया। उसकी जगह कोई और होता तो

एक-एक को मौत की सूरत दिखला देता। लेकिन उसने शपथ ली थी कि वो किसी की जान नहीं लेगा। लेकिन नियति बड़ी बलवान होती है। उसने गुनहगारों को नहीं बख्शा। इस जघन्य हादसे के जिम्मेदार ग्लोब सर्कस के मालिक बॉस और जुबिस्को को उनकी करनी का दंड देने के बाद ध्रुव दिशाहीन सा हो गया। उसे अपराध से घृणा हो गयी थी पर भविष्य की कोई योजना उसके मन में नहीं थी। तब ध्रुव को सही दिशा दिखाने सामने आये एस. एस.पी. राजन मेहरा। उन्होंने ना सिर्फ ध्रुव के अपराध उन्मूलन के अभियान को एक शक्ल दी बल्कि उसे अपना पुत्र बनाकर उसका परिवार भी लौटा दिया, जिसमें शामिल थी ममता की मुर्ति मां रजनी मेहरा और एक चुलबुली, शरारती और नटखट बहन श्वेता। तब ध्रुव ने राजनगर में नींव डाली अपराध के खिलाफ मोर्चा लेने वाली कमांडो फोर्स की। जिसके कैडेट्स हैं पीटर, करीम, रेणु और जिसका कैप्टन है सुपर कमांडो ध्रुव।

अपराध के विरुद्ध इस अंतहीन सफर में कई नये आयाम जुड़ते चले गये। चंडिका, नताशा, ब्लैक कैट, धनंजय, सामरी, वनपुत्र जैसे दोस्त मिले तो रोबो, ध्वनिराज, चुंबा, बौना वामन जैसे समाज के दुश्मन भी मिले। लेकिन ध्रुव इन सबसे ना सिर्फ टकरा गया बल्कि उनके लिये खौफ का दूसरा नाम भी बन गया। और ये सब वो कर पाया अपनी दृढ़ इच्छा शक्ति, बेमिसाल बुद्धि और सर्कस में सीखी अपनी कलाओं के दम पर। आसपास की चीजों को हथियार बना लेना और पशु-पक्षियों से बात कर लेना ये ध्रुव की ऐसी क्षमताएँ हैं जो हारी बाजी भी पलट देती हैं।





इससे पहले कि तू 'मास्टर' और उनके अनुयाइयों को तबाह करने के अपने मंशूबे में कामयाब हो...



अघोरा तुझे तेरे परिवार के साथ तबाह कर देगा, स्वामीनाथन!



यह गैजेट्स खास तंत्र ऊर्जा को सोख कर उन्हें कई गुना अधिक घातक बनाने के लिए निर्मित किए गए हैं।

इनसे निकला वार तुम तीनों को पल भर में खाक कर देगा।



इतने खतरनाक डॉयलॉग्स बोलते हो, घातक हथियार रखने की तो तुम्हें जरूरत ही नहीं है।

सुपर कमांडो
धुव!!

तू अघोरा के काम में रुकावट डाल सकता है इसके लिए 'मास्टर' ने पहले ही अघोरा को सचेत किया था।



यह जिंकस्ट बाल्स तुझे उछलना-कूदना तो दूर एक कदम उठाने लायक भी नहीं छोड़ेंगी।

इंग्लिश बोलने वाला अघोरी, वाकई घोर कलियुग आ गया है।

अब तो 'सी-ग्रेड' विलेंस भी 'बी-ए' पास होते हैं।



सी-ग्रेड!! अघोरा को सी-ग्रेड बोला तूने!

पेरानौर्मल साइंस का विशेषज्ञ है अघोरा।

इसके झटके भी 440 वोल्ट के करेंट जैसे ही हैं जोकि मुझे अपनी जगह से हिलने नहीं दे रहे।

यह गेंदें किसी उपग्रह की तरह मेरे चारों ओर चक्कर काट रही हैं और मेरे कदम आगे बढ़ाते ही तीव्र करेंट डिस्चार्ज कर रही हैं।

अघोरा की जिंकस्ट बाल्स करेंट जैसी ऊर्जा प्रवाहित कर रही हैं।



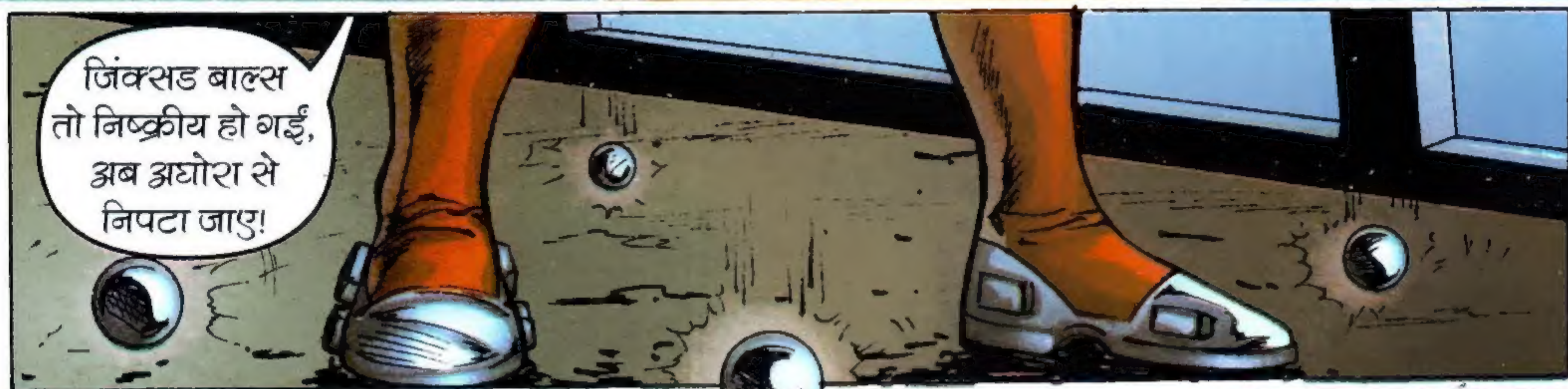
भागने की कोशिश करना बेकार है स्वामीनाथन, तू जानता है कि मुझे क्या चाहिए!

अब फैसला तेरे हाथ में है कि मुझे मेरे मतलब की चीज देगा, या फिर अपनी जान!



उस फैमली को बचाने के लिए मुझे इस कैद से निकलना होगा।

यदि इन गेंदों की ऊर्जा विद्युत प्रवाह के सिद्धांत पर काम कर रही है तो इसे निष्क्रिय करने का सबसे आसान तरीका है शॉर्टसर्किट।



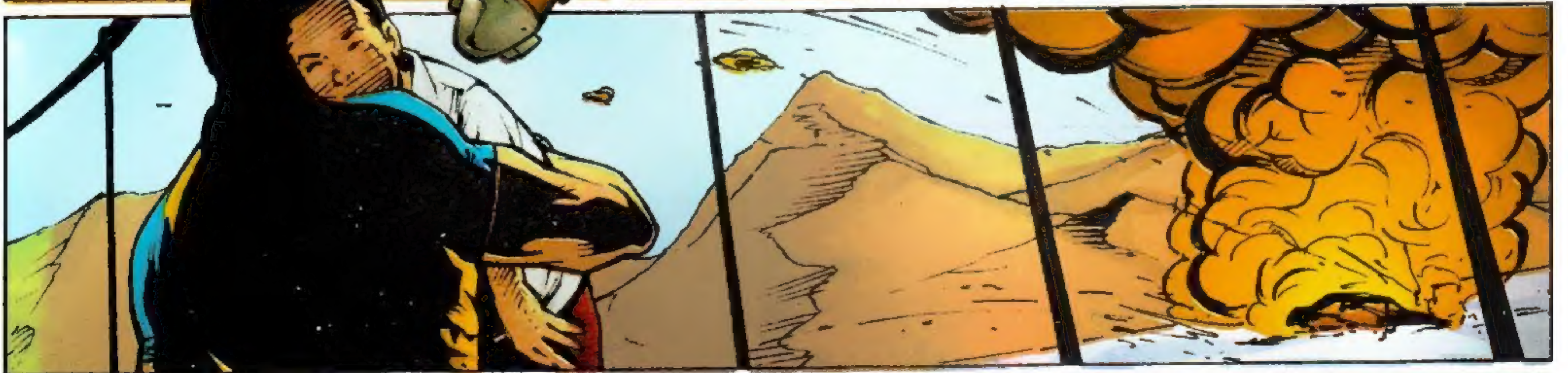
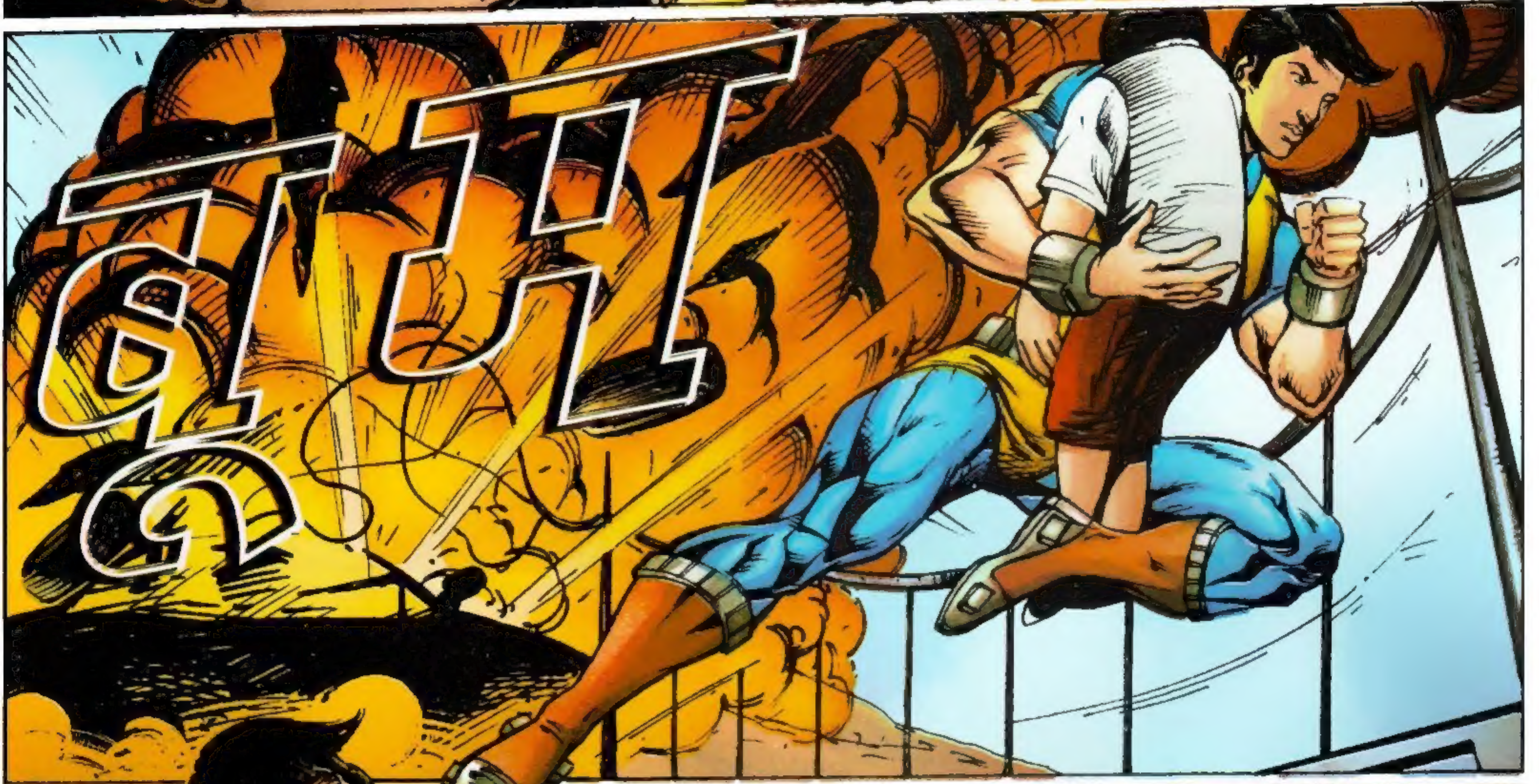
यह क्या हो रहा है, मुझे ऐसा लगा जैसे यह आग अपने आप गाड़ी और उसके आस-पास की हवा में लग गयी हो और यह गाड़ी अपने आप हवा में कैसे उठने लगी!!

अघोरा तो जल कर खाक हो गया इससे पहले की आग पेट्रोल तक पहुंचे मुझे गाड़ी में मौजूद लोगों को बचाना होगा।



ऊफ! कार में सवार दोनों व्यक्ति भी
अधोरा की तरह ही जल कर मर चुके हैं।

लेकिन आग की लपटें इस
बेहोश बच्चे तक नहीं पहुंची हैं!



संजय गुप्ता प्रस्तुत करते हैं!

स्पेशल्स

समय की मिसाल है मेरा जन्म!

लेखक : नितिन मिश्रा चित्रांकन : सुनील पासवान

इंकिंग : सागर थापा, सुनील पासवान

रंग सज्जा : शादाब सिद्दीकी शब्दांकन: मंदार गंगेले

संपादक : मनीष गुप्ता

30TH OCTOBER



तैयार रहो वह आ रहा है।

हम अटैक करने को तैयार हैं।

इस बार यह बचना नहीं चाहिए, सब अपनी-अपनी पोजीशन्स ले लो।

रेडी!

अटैक!



हाहाहा! जब मैं छोटा था तब मैं भी छिप कर माँ को और ज्यूपिटर सर्कस के दूसरे कलाकारों को ऐसे ही डराता था!

कल तुम सब अपनी हेलोवीन कॉस्ट्यूम्स तो पहनोगे ही, मैं तुम सब को देख कर ही डर जाऊंगा!

सच्ची!

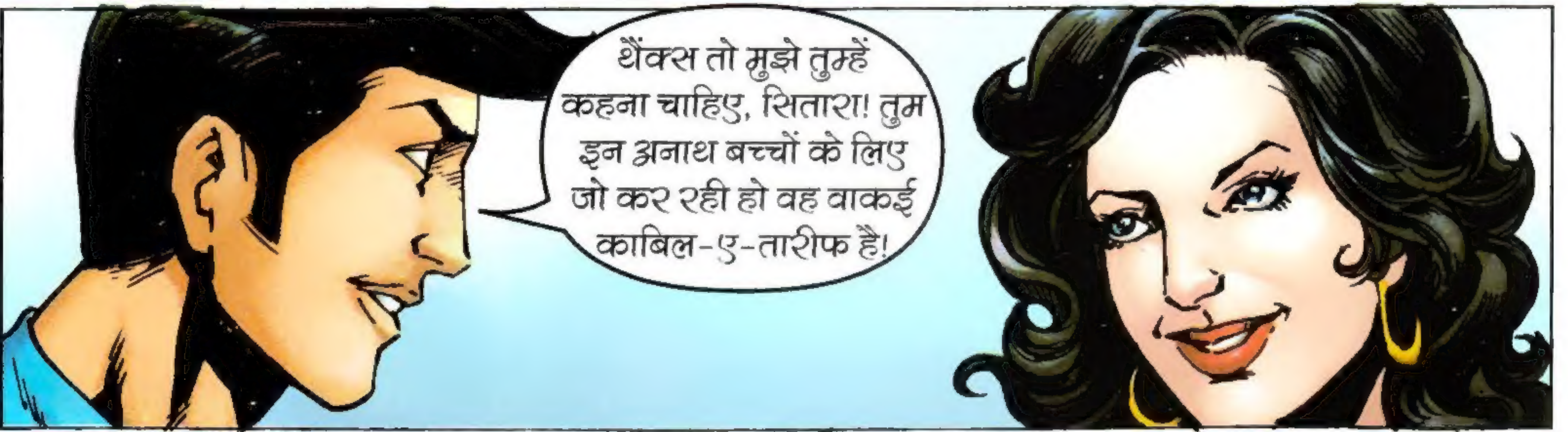
मुच्ची!

धत्ता! इसीलिए आपको सारे ट्रिक्स पता हैं, लेकिन अब हम क्या करें? आपको डराएं कैसे?

और आपको डराना तो बहुत इम्पोर्टेंट है क्योंकि कल हेलोवीन नाईट है, अब आप ही बताओ हम आपको कैसे डराएं।

THIS IS NOT FAIR DHURUVA BHAIIYA! आप हर बार कैसे बच जाते हैं?

तुम लोगों ने फिर से अपने धुव भईया को आते ही परेशान करना शुरू कर दिया!





तुम इन बच्चों के पालन-पोषण और पढ़ाई पर करोड़ों रुपए खर्च करते हो और किसी को पता भी नहीं चलने देते।

मेरी कहानी तुमसे और इन बच्चों से कुछ ज्यादा अलग नहीं है, सितारा!

ज्यूपिटर सर्कस के हादसे में मैं तो बच गया पर मैंने अपने माता-पिता को हमेशा के लिए खो दिया

पांच दिन पहले के उस हादसे की तरह जिसमें जीवित बच गए बच्चे को मैं यहां ले आया था। कैसा है वह?



अभी भी शॉक में है!

उसका इस शॉक से निकलना बहुत जरूरी है सितारा, वही एकमात्र कड़ी है जो मुझे असली अपराधी तक तक पहुंचा सकता है!



लेकिन वह तो अपना नाम तक नहीं बता पा रहा है!

अंश नाम है उसका! उसके पिता परामानवीय विज्ञान विशेषज्ञ प्रोफेसर स्वामीनाथन के प्रोफाइल रिकॉर्ड्स जांचे हैं मैंने!



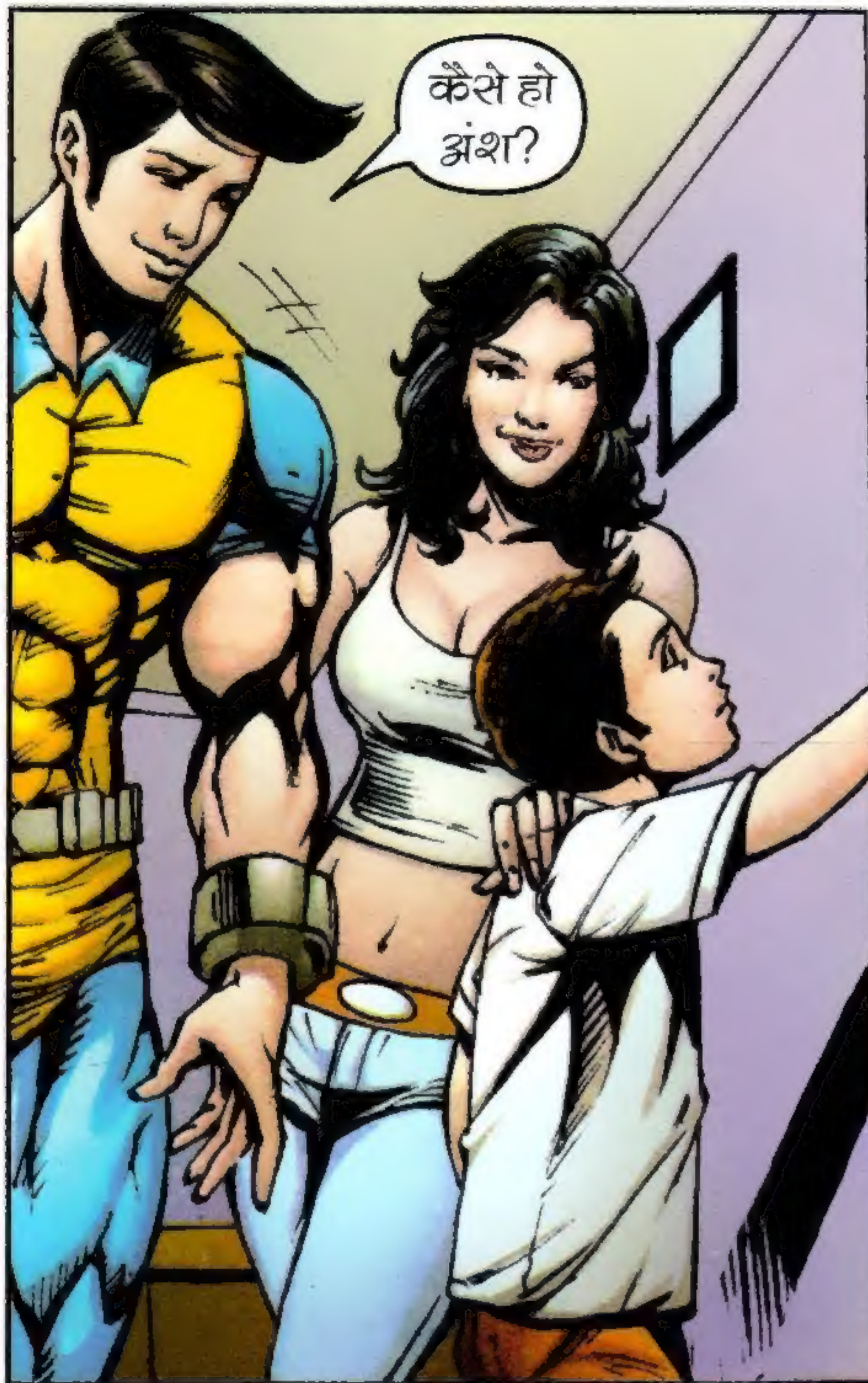
परामानवीय विज्ञान यानि भूत-प्रेत, जादू-टोना?

सही लफ्जों में कहा जाए तो असामान्य, मानव सभ्यता से परे शक्तियों का वैज्ञानिक विश्लेषण परामानवीय विज्ञान कहलाता है।

अंश के परिवार पर हमला करने वाला अघोरा भी परामानवीय विज्ञान का जानकार था, इससे घटना को एक अलग दृष्टिकोण मिल रहा है सितारा!

ट्राई योर लक ध्रुव! पर मुझे नहीं लगता की यह बच्चा तुम्हारी कोई भी मदद कर पाने की स्थिति में है!

अपने माता-पिता की मौत का बहुत ही गहरा सदमा लगा है इसे!



कैसे हो
अंश?



क्या मैं देख सकता
हूँ कि आप दीवार पर
क्या बना रहे हैं?

हे भगवान!
कितनी अजीब-ओ-
गरीब डॉइंग है।



तुमने ठीक कहा था सितारा,
इसके दिमाग को वाकई बहुत
गहरा सदमा पहुंचा है...

या फिर बात
कुछ और है।

ओराकी एस्टेस, आउटर राजनगर!



ध्रुव वहां पहुंचेगा
इसका अंदेशा तो था
हमें लेकिन वह बच्चा
कैसे बच गया?

वह बच्चा
बचेगा इसका
अंदेशा मुझे था।

क्या
मतलब?

मतलब समझने
के चक्कर में मत पड़ो
ओराकी, मतलब की
बात सुनो!



हमारे पास सिर्फ
कल रात तक का मौका है
अपने प्लान को सफल बनाने
का लेकिन यह ध्रुव हमारे
काम में जरूर अड़ंगा
लगाएगा!

उसकी फिक्र आप मत
कीजिए मास्टर, अघोरा नहीं
रहा तो क्या हुआ अभी हमारी
आस्तीन में बहुत से पत्ते छिपे
हुए हैं!



लैट हो गया, 'नन्हे सितारे'
के बच्चे बैंड बजा देंगे!

ओह! कमांडो हेडक्वार्टर
से मैसेज आ रहा है!

कैप्टन, स्वामीनाथन
की असिस्टेंट कियारा का
पता चल गया है।



अभी-अभी उसने
हमारी फ्रीक्वेंसी पर
डिस्ट्रेस कॉल की है!

आपसे ही बात
करने की जिद
कर रही थी!

तुमने उसका
कॉल ट्रेस किया?

यस कैप्टन!



"गुड! अड्रेस बताओ करीम
में फौरन वहां पहुंचता हूं!"

ध्रुव भैया अभी तक
नहीं आए, उनके बिना हम
ट्रिक ऑर ट्रीट कैसे
शुरू करें?

शायद ध्रुव भैया
किसी सुपर विलेन
से लड़ रहे होंगे!

तुम्हारे ध्रुव भैया
नहीं आए तो क्या
हुआ...



आज की रात
में तुम्हारे साथ
खेलूंगी...

ट्रिक
ऑर ट्रीट!!!







करीम का बताया अड्रेस तो यही है, पर मैं पूरा घर खंगाल चुका हूँ यहां तो किसी का नामो-निशान नहीं है! कहां गई कियारा?



यह तो खून है, वह भी ताजा! इस पूरे घर में सिर्फ इसी दीवार के कोने पर मात्र दो खून के धब्बे होने का एक ही मतलब हो सकता है...



...इस दीवार के पीछे कोई खुफिया रास्ता है। बस उसे खोलने का तरीका ढूँढना होगा!



इस पूरे घर में सिर्फ इसी दीवार पर यह टाइल्स की पट्टी लगी है, इस पट्टी पर ही खुफिया दरवाजा खोलने का लीवर होना चाहिए!



इस पूरे पैनल में सिर्फ यह चक्र अपनी जगह पर नहीं... अरे! मेरे हाथ लगाते ही यह तो अपनी जगह से खिसक रहा है!



लाश की स्थिति देखकर लगता है जैसे इसे किसी तंत्र सिद्धि के लिए इस प्रकार लटकाया गया है। मार-पीट के कोई निशान नहीं, शायद तंत्र साधना में ही इसकी जान गयी है।



ओह! मेरे इसे हाथ लगाते ही छत से बंधी डोरियां अपने आप हिल रही हैं और लाश किसी कठपुतली की तरह अपने हाथ-पांव चला रही है।



घबराओ नहीं प्यारे बच्चों मुझे सिर्फ तुम्हारे गले में काल सूत्र बांधना है, फिर मेरा काम अपने आप हो जाएगा!

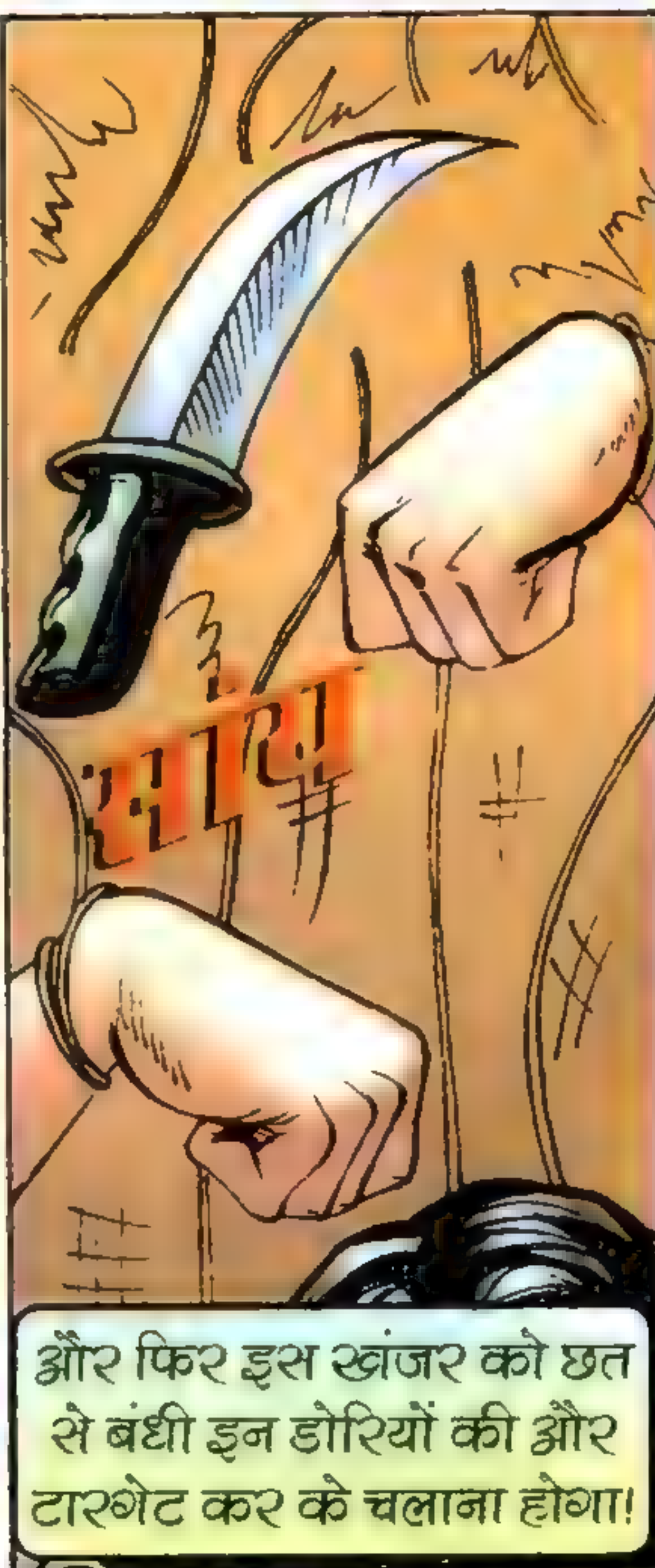
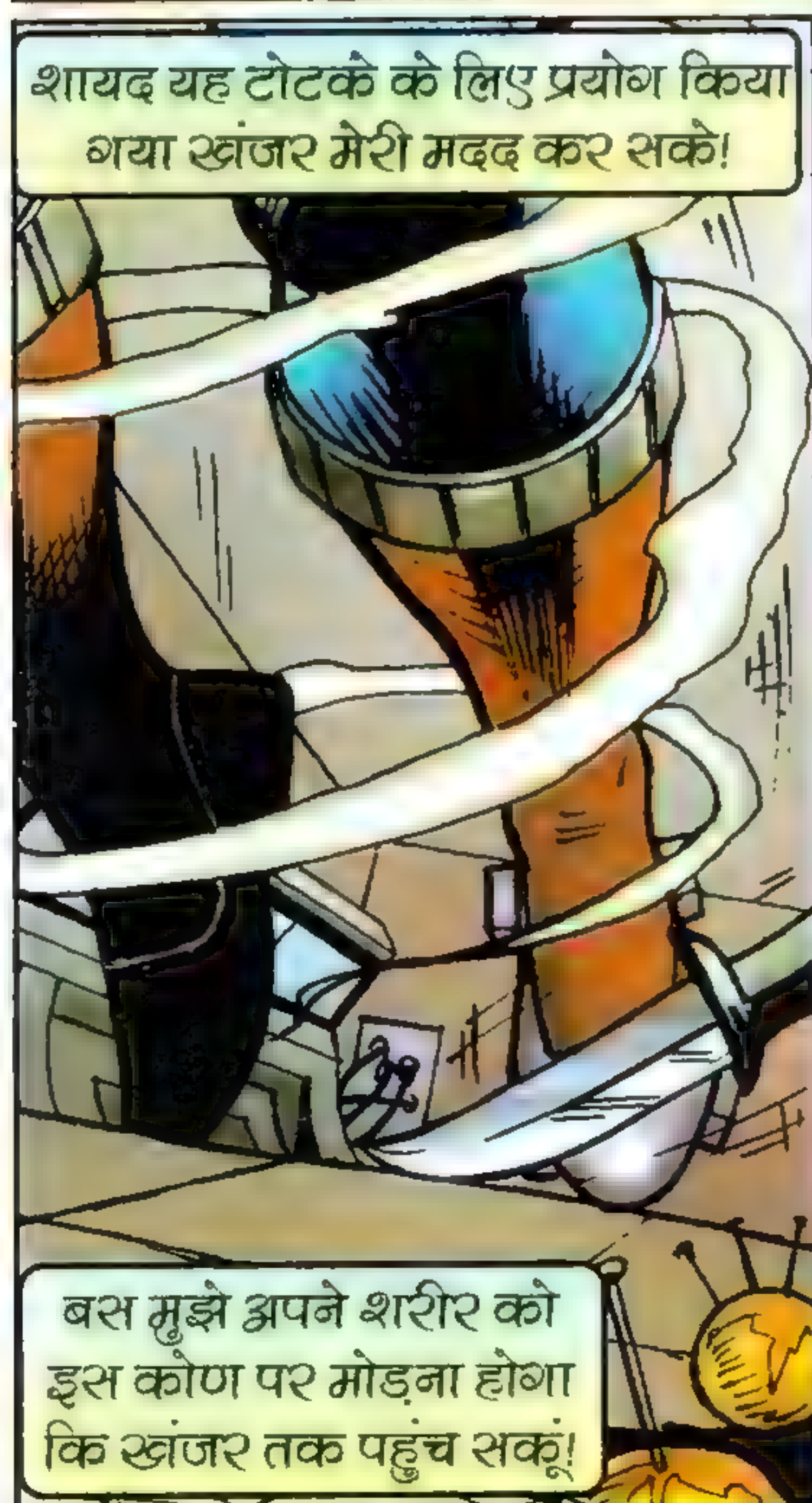


मैंने तुझसे कहा न इन बच्चों से दूर रह!

शुक्र है इस पलाइंग ब्लूम का रिमोट कंट्रोल अभी भी मेरे हाथ में ही था!



महाकाल के हाथ से उसकी तंत्र खोपड़ी छूटते ही मैं उसकी तंत्र कैद से आजाद हो गई हूँ, अब मैं आराम से उठ भी सकती हूँ।





मेरा अंदाजा सही था, वे डोरियां अभिमंत्रित थीं, उनके कटते ही कियारा का शरीर शिथिल हो गया है और मेरे हाथ भी स्वतंत्र हो गए!



आह!! यह कैसे हुआ, विपरीत शक्ति को आजाद किसने किया?



हे भगवान!
यह क्या है?

महाकाल को रोक कर
तूने जो मूर्खता की है उसका
परिणाम अब तेरे और इन
बच्चों के साथ-साथ यह
पूरा शहर भुगतेंगा।



खौं..खौं!

अब यहां रुक
कर कुछ नहीं होने वाला,
महाकाल को कहीं और
पहुंचना होगा!

भूंक!!







क्या हुआ
मास्टर आप
ठीक तो हैं?

अहह!!!हां
मैं ठीक हूं!

लेकिन लंबे समय
तक नहीं रहूंगा। हमें
अतिशीघ्र विपरीत शक्ति
को कैद करना होगा।



विपरीत
शक्ति!! वह
क्या है?

समझाने का
समय नहीं है, ओराकी!
हमें जल्द से जल्द ध्रुव
को ढूंढना होगा!

ध्रुव की बलि
देने का समय
आ गया है।



यह मामला तो और
पैचीदा होता जा रहा है।

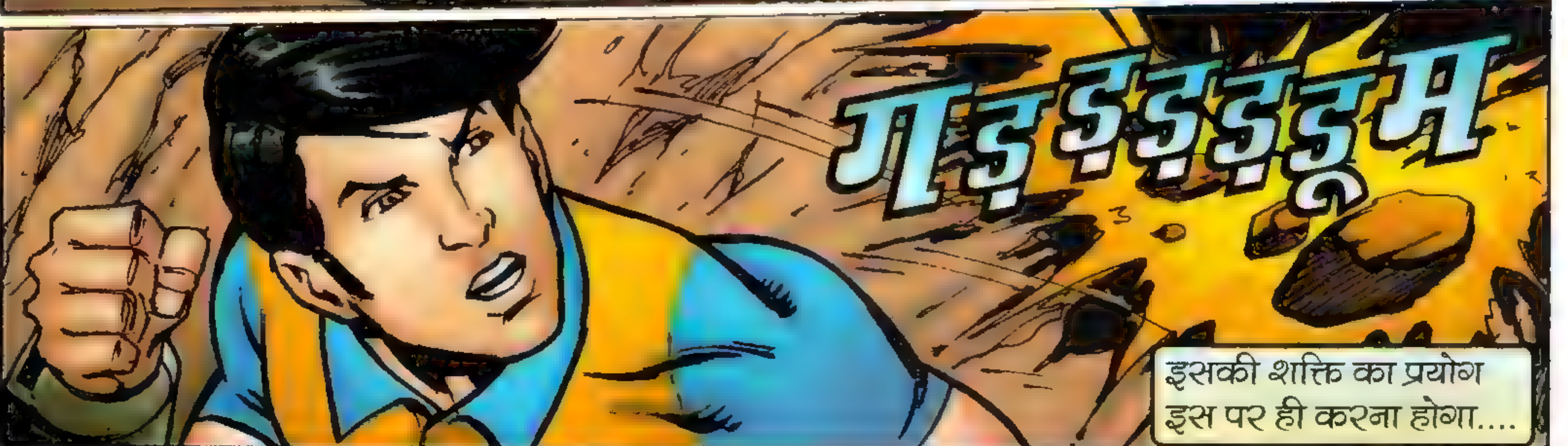
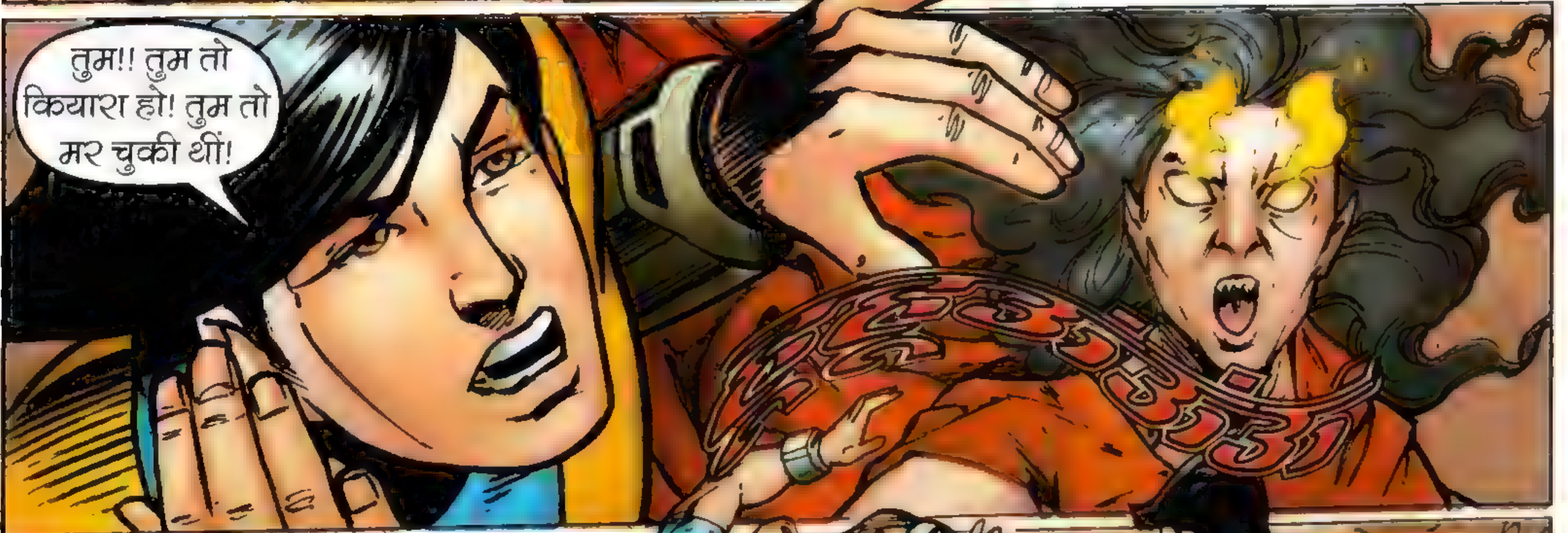
रहस्यों को सुलझाने के लिए
मैं कियारा की तलाश कर
रहा था लेकिन यहां तो उल्टा
रहस्य और गहरा हो गया।

इस जगह की तलाशी में श्री
कुछ हाथ नहीं लगा, अब यहां
रुकने का कोई फायदा नहीं है!



मुझे वापस 'नन्हे सितारे' पहुंचना होगा।

अरे...यह बीच रास्ते में कौन बैठा है?



जो चट्टानें यह मुझ पर प्रहार करने के लिए गिरा रही हैं वही इसे रोकेंगी!



चट्टान इसके आर-पार निकल गई,
यानी यह जीवित नहीं सिर्फ आत्मा है।

लेकिन कियारा की आत्मा
मुझे क्यों मारना चाहती है?



खैर! यह पता करने के लिए पहले इसे काबू में करना होगा और
आत्माओं को काबू करने का कोई भी तरीका मुझे नहीं आता!





इसकी खुद की उत्पन्न की हुई विध्वंसक ध्वनि तरंगों भी इसे नुकसान नहीं पहुंचा पा रही हैं।



अपनी कर्कश ध्वनि तरंगों से इसने शीशे तोड़ दिए, और अब मेरा भी यही हाल होने वाला है..



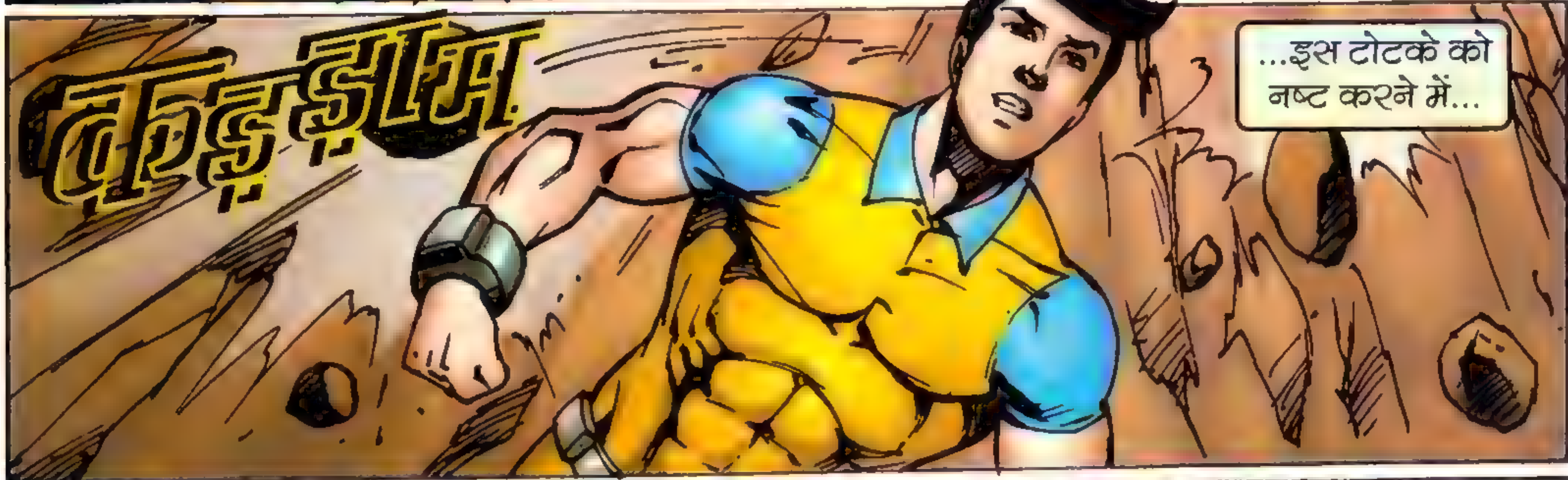
दूर से मुझ पर अपनी ध्वनि तरंगों का निशाना साधने के लिए इसे काफी समय लग रहा है।



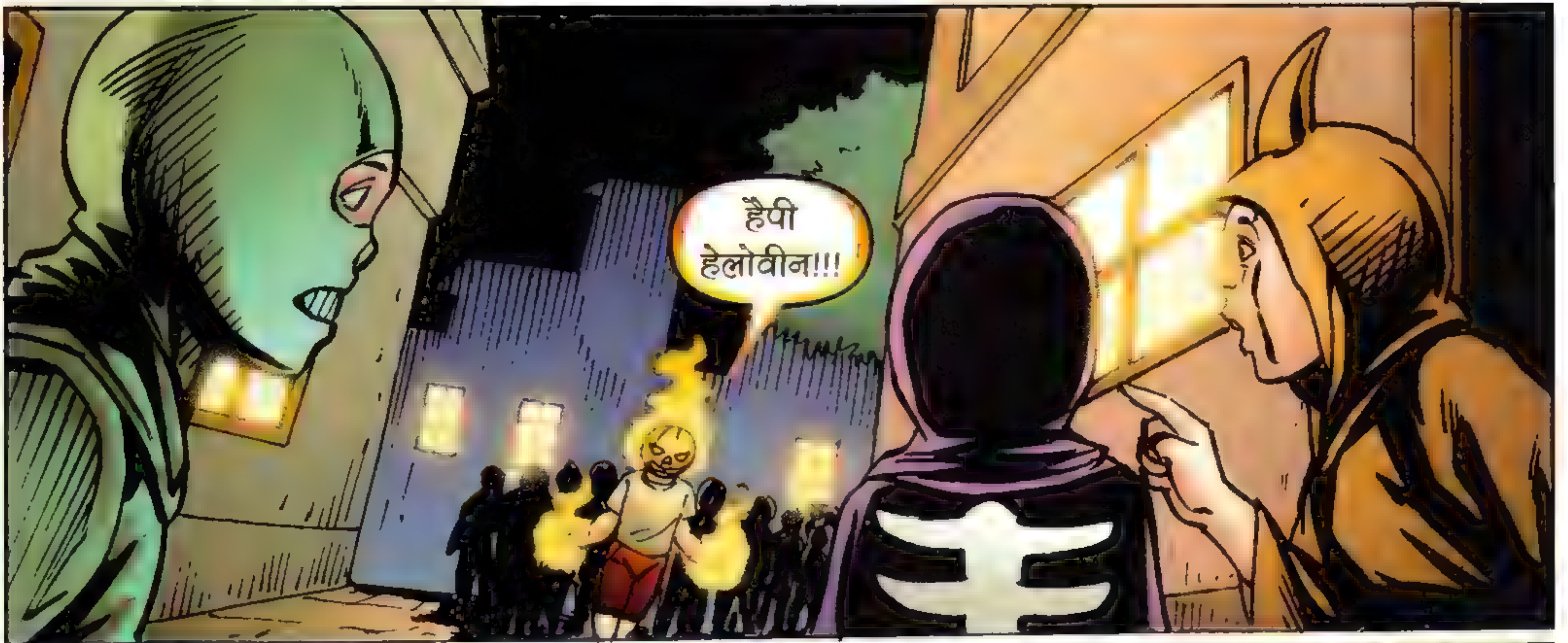
यह पास आकर मुझ पर आराम से वार कर सकती है लेकिन यह अपनी जगह से इंच भर भी नहीं हिल रही!!

यानी कुछ है जोकि इसे अपनी जगह पर बांधे हुए है! इसे किसने बांधा?

यह तो किसी प्रकार का टोटका लगता है! शायद आत्माओं को बांधने वाला टोटका!











आह !! ये आत्माएं तो तंत्र वार कर रही हैं, पर ये आई कहां से, बच्चे कहां हैं?

अ..अंश जैक-ओ-लैनटर्न बन गया है। उसने अनाथालय के सारे बच्चों को सम्मोहित कर लिया और अपने साथ ले गया!



यह आत्माएं उसी के आह्वाहन पर आई हैं

कियारा की आत्मा की तरह यह आत्माएं किसी टोटके से नहीं बंधी हुई हैं, इन्हें रोकना या बांधना बेहद दुष्कर कार्य है।



अब क्या करें ध्रुव, यह तो बच्चों की तरह उत्पाती हैं।

हम संभल श्री नहीं पाएंगे और यह हम पर वार करती रहेंगी!

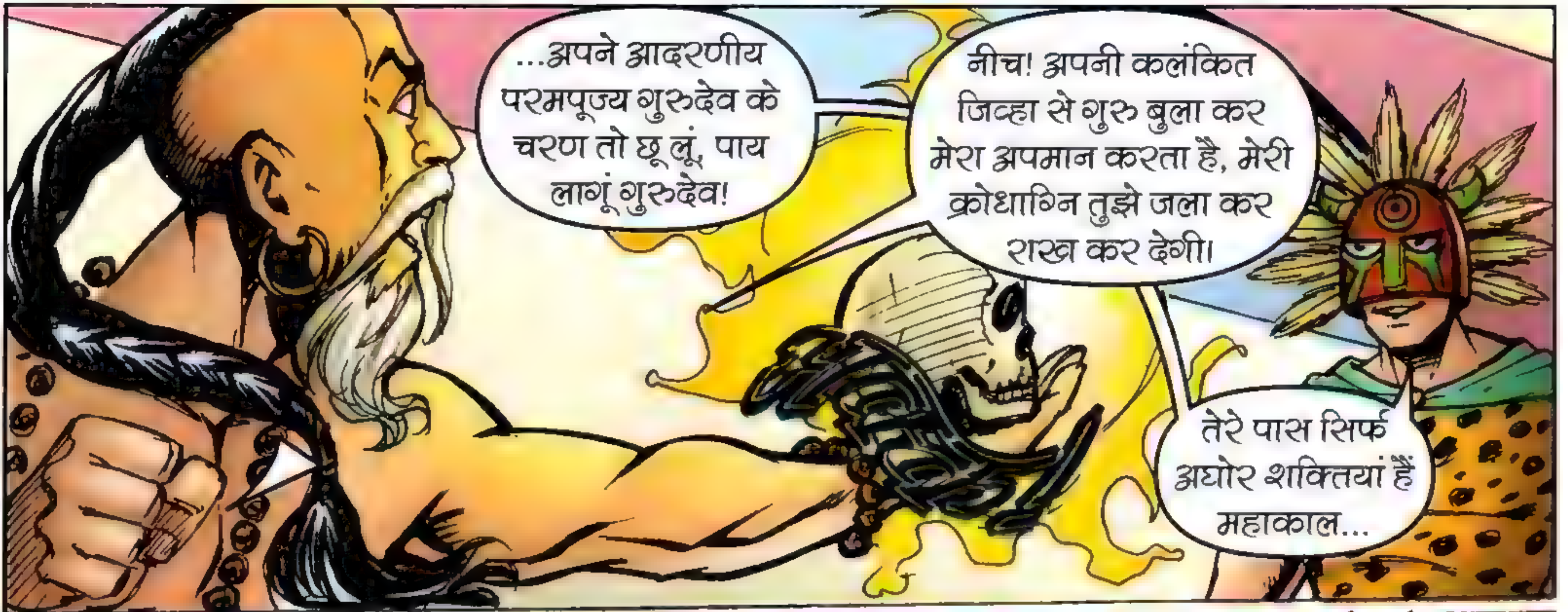
बच्चे!! सही कहा तुमने, यह बच्चों की ही अतृप्त आत्माएं हैं।

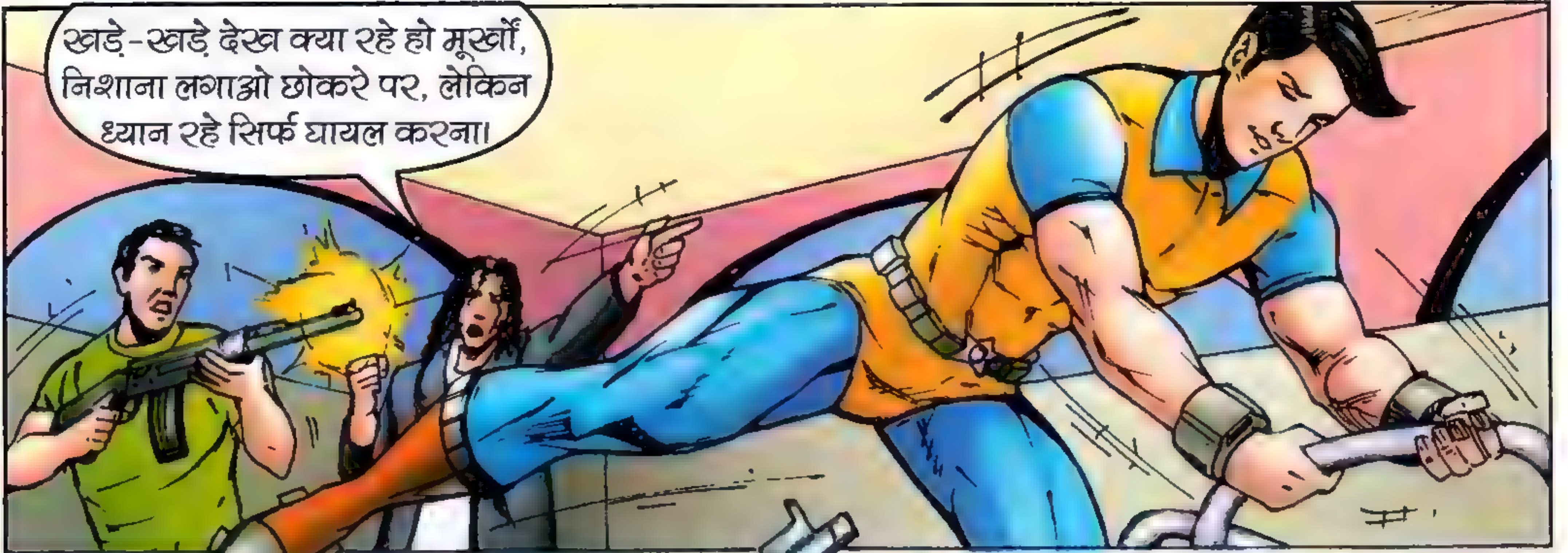


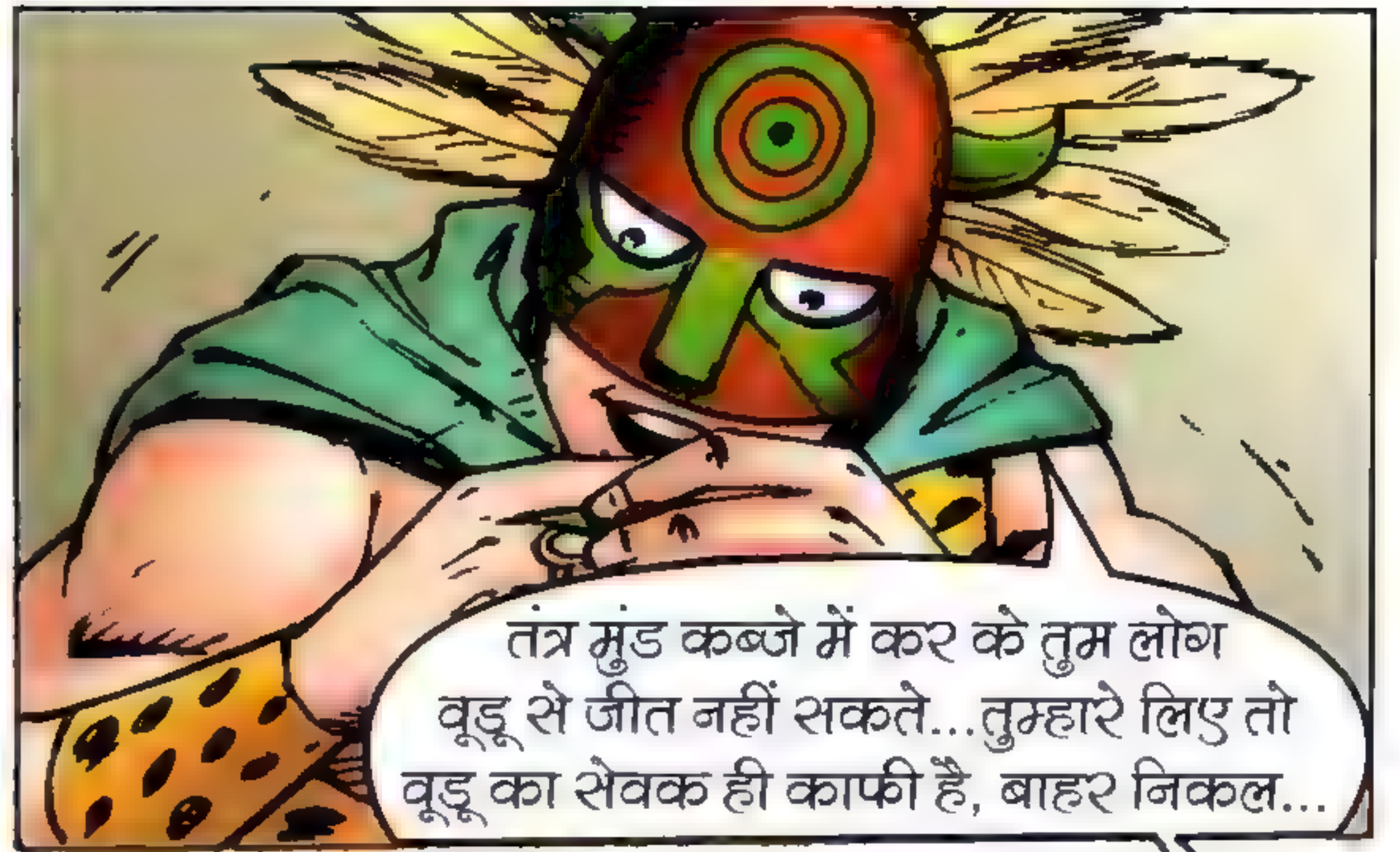
..हर अतृप्त आत्मा की कोई न कोई कमजोरी जरूर होती है!!! और बच्चों की एक सबसे बड़ी कमजोरी के बारे में मैं जानता हूं...



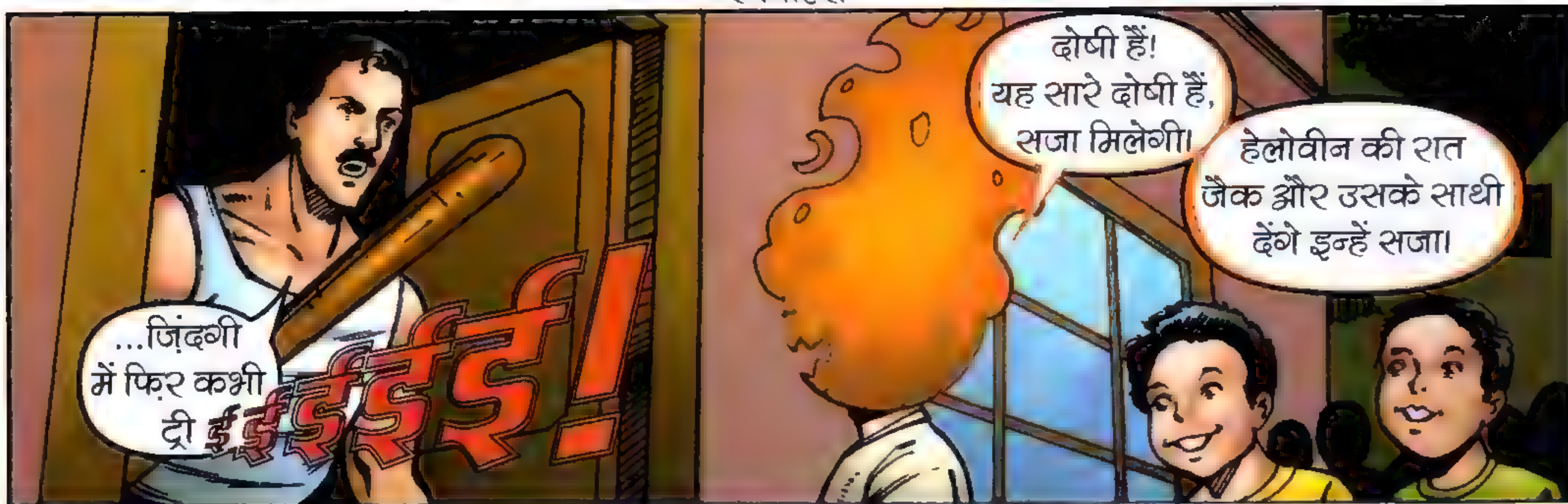




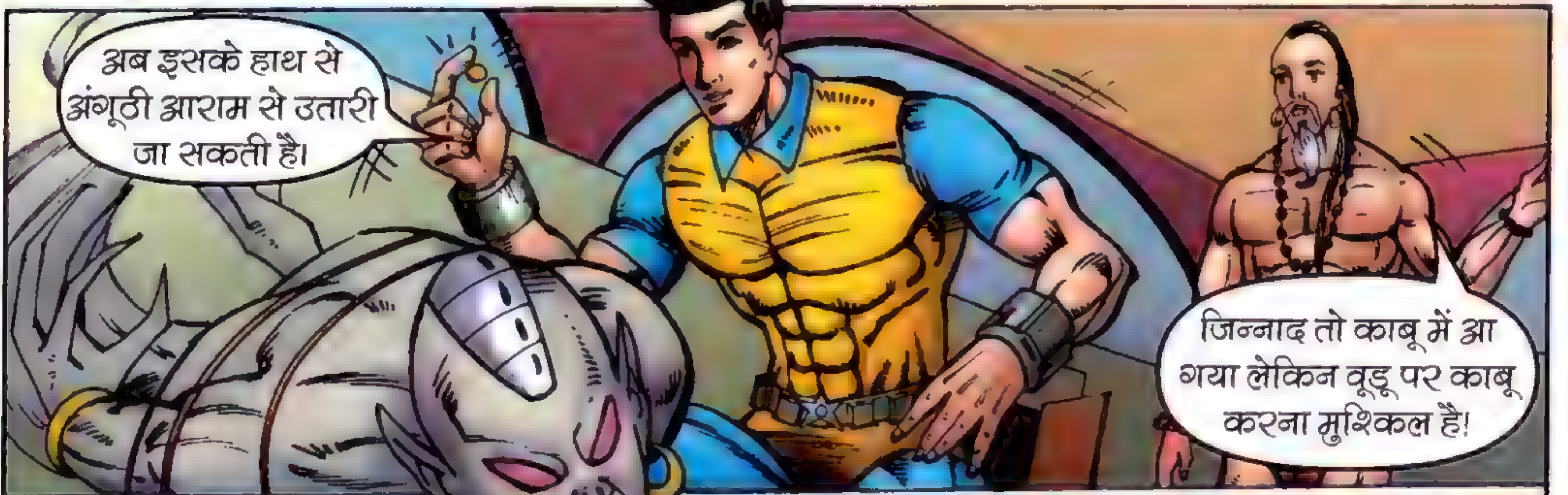


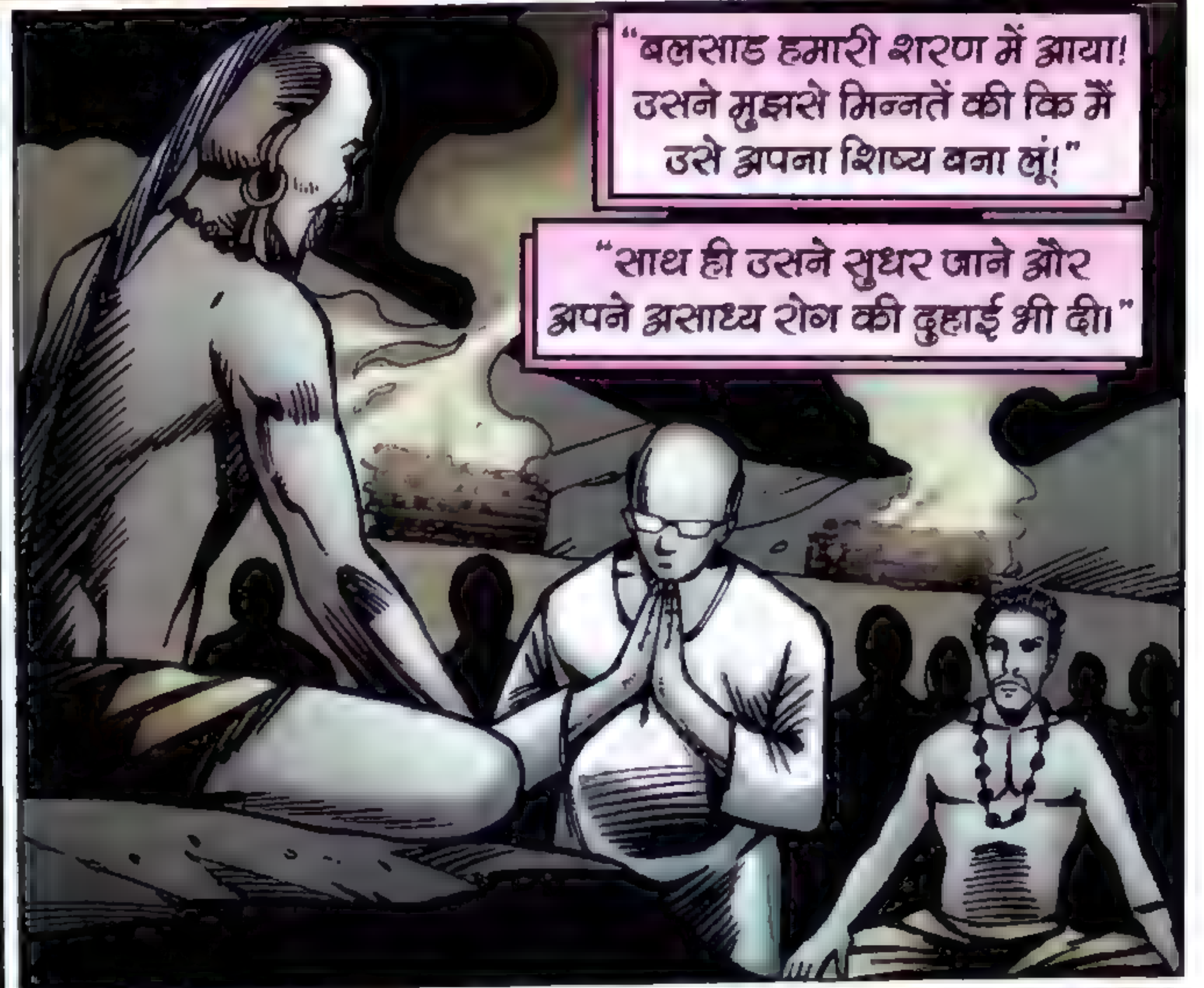










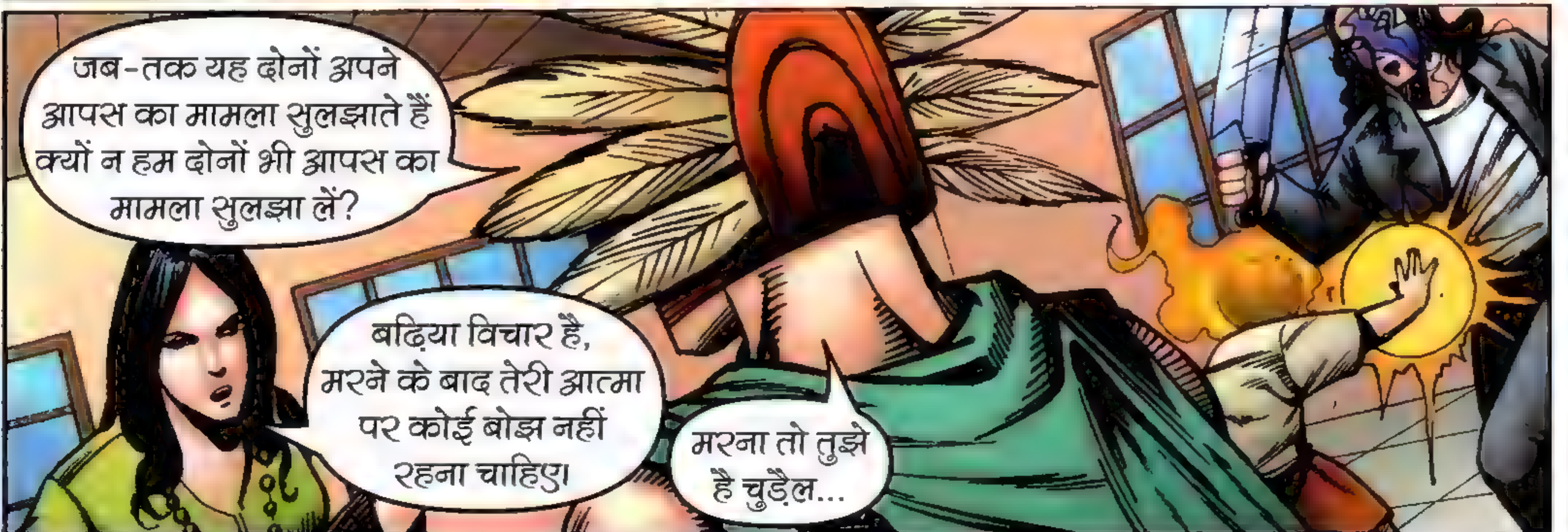
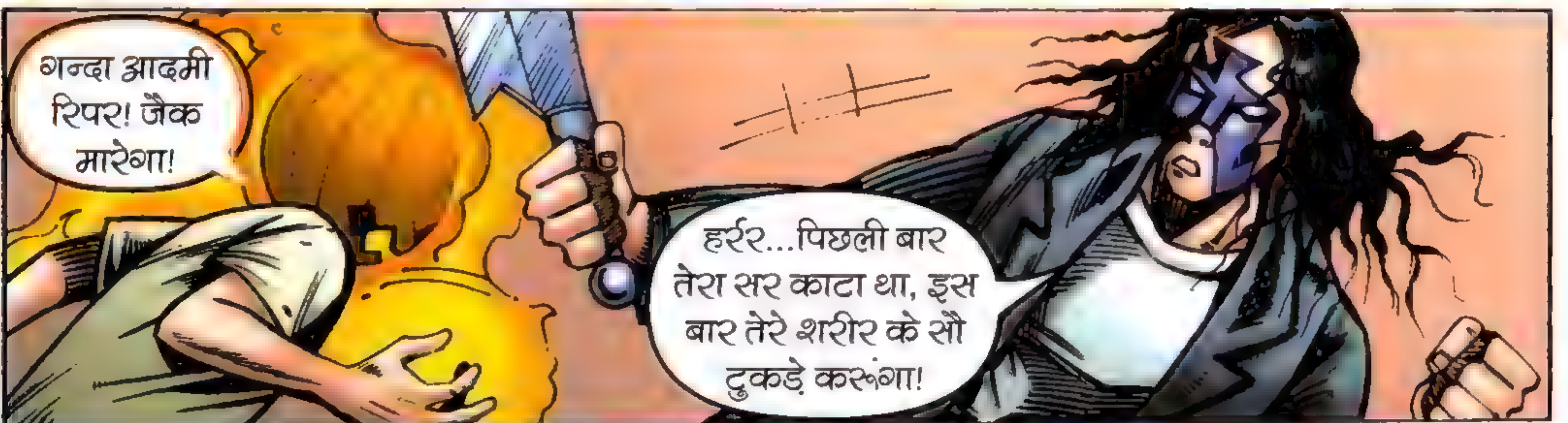
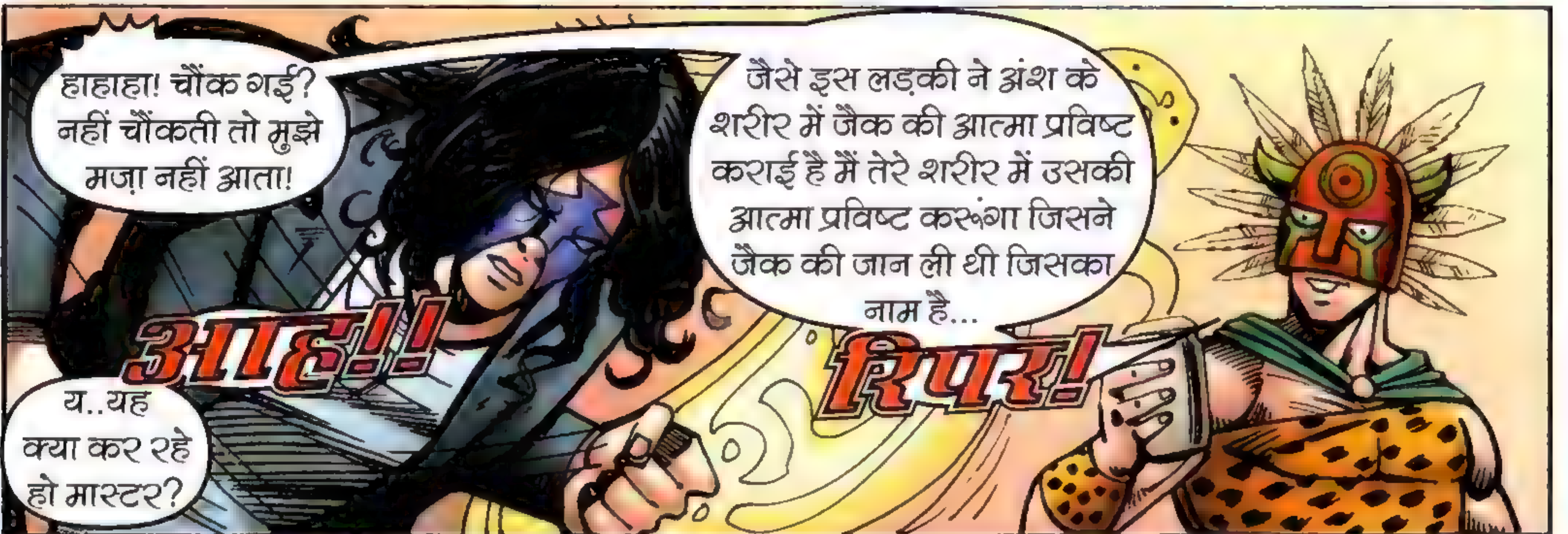


















मुझे एक तरीका समझ आया है जो शायद इन्हें ठीक करने में कारगर सिद्ध हो!

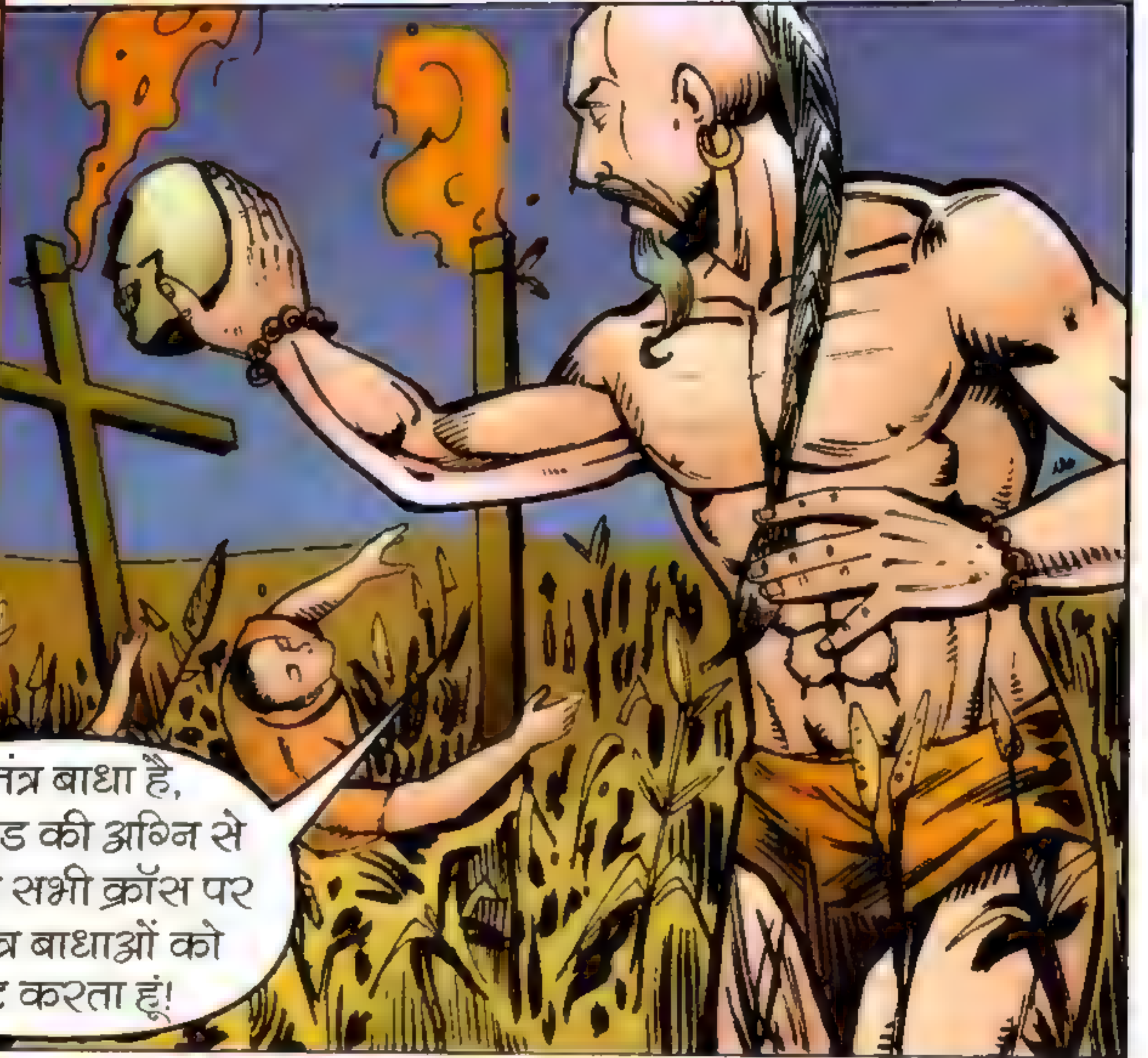
क्या है वह तरीका?

इन सभी क्रॉस के ऊपरी सिरे पर एक लाल कपड़ा बंधा है।



मैंने किराओं में सुना है कि इस प्रकार के कपड़े का प्रयोग प्रेत बांधने के लिए किया जाता है।

देखते हैं कि इसे नष्ट करने से इन लोगों पर कोई प्रभाव पड़ता है या नहीं!



असर हो रहा है, क्रॉस से बंधा लाल कपड़ा नष्ट होते ही व्यक्ति बेहोश हो कर गिर रहे हैं।

यह तंत्र बाधा है, मैं तंत्र मुंड की अग्नि से अभी इन सभी क्रॉस पर बंधी तंत्र बाधाओं को नष्ट करता हूँ!



उम्मीद है होश में आने पर यह सभी लोग सामान्य हो जाएंगे!

हे भगवान! अब इस मुसीबत से कैसे निपटेंगे।

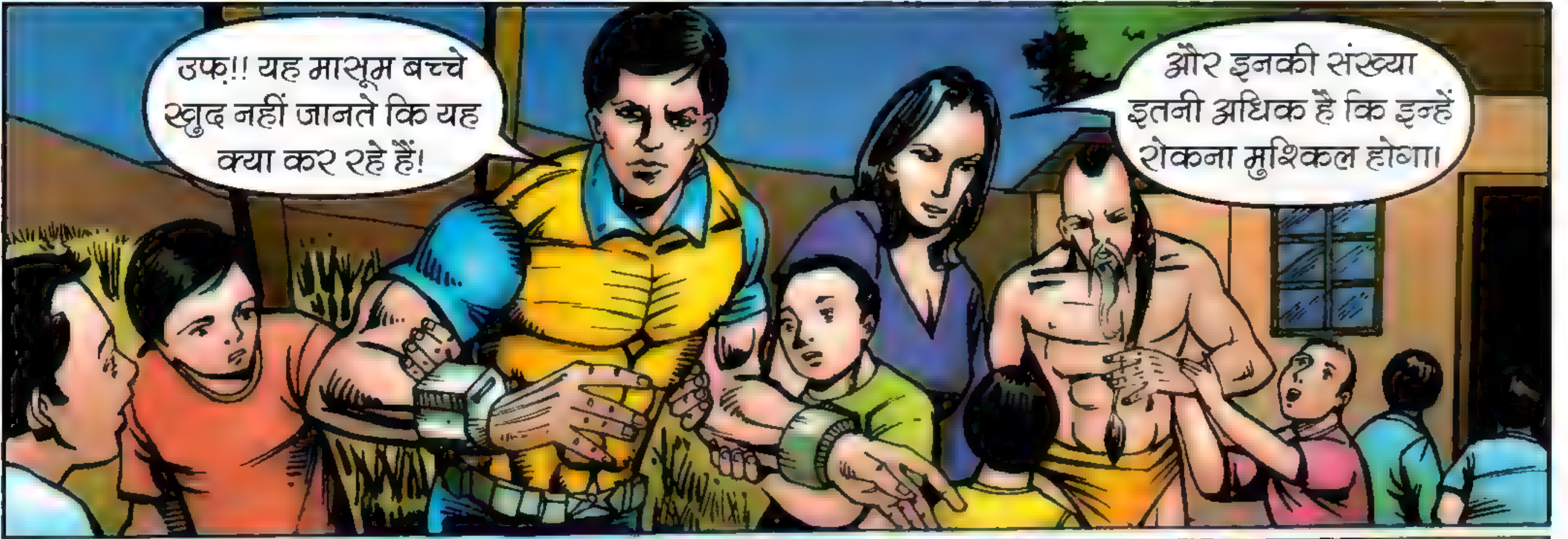


यह बच्चे जैक के
वश में हैं! अब तो काल-
सूत्र भी इन्हें ठीक नहीं
कर सकता!

काल सूत्र?
वह क्या है?

तुमने देखा होगा मांएं
अपने बच्चों को बुरी नजर
से बचाने के लिए काला धागा
बांधती हैं, वैसे ही काल-सूत्र
बुरी आत्माओं के प्रभाव से
बच्चों को बचाता है!

इनके इरादे ठीक
नहीं लग रहे और यहां
तो कोई प्ले-हाउस भी
नहीं है ध्रुव!





हम दोनों को तो जिंदा बचना ही था बहना क्योंकि हम दोनों स्पेशल्स हैं।

नहीं समझी? समझाती हूं।

क्योंकि माता-पिता बच्चों पर आई मृत्यु अपने ऊपर ले लेते हैं।

कभी सोचा है कि एक ही भीषण हादसे में माता-पिता की मृत्यु होने पर भी उनके बच्चे जीवित क्यों बच जाते हैं?

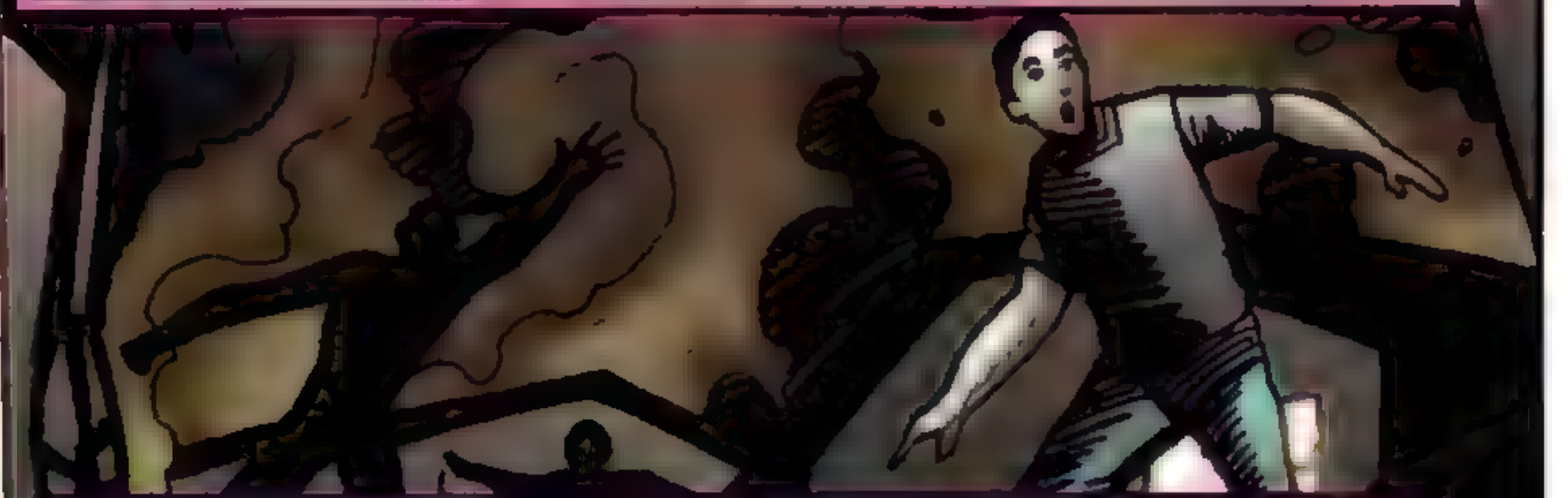
बहुत ही भाव्यशाली होते हैं वे बच्चे, तेरी और मेरी तरह। जैक और जेम्स की तरह।



जैक और जेम्स, हेलोवीन रात्री के सूत्रधार!

सदियों पहले हेलोवीन किसानों द्वारा अच्छी फसलों के लिए इश्वर को धन्यवाद देने की प्रथा के रूप में मनाया जाने वाला त्यौहार मात्र था।

“जैक और जेम्स दो जुड़वां भाई, शुरुत एक लेकिन सीरत बिलकुल विपरीत! लोगों का मानना था कि जेम्स बैब्रिगुल नामक फरिश्ते का अवतार है और जैक ल्युसिफर नामक शैतान का!”



“एक रात जब पूरा समुदाय हेलोवीन का जश्न मनाने में व्यस्त था तब जैक ने सारी फसलों को आग लगा दी, सारा समुदाय जल कर खाक हो गया, जैक के माता-पिता भी! बचे सिर्फ जैक और जेम्स क्योंकि वो दोनों दुनिया के पहले स्पेशल्स थे।”



“यह लगभग वही समय था जब पूरा उत्तरी योरोप ‘रिपर’ नामक बच्चों के हत्यारे से ग्रस्त था!”

“अपनी तंत्र सिद्धि पूर्ण करने के लिए बच्चों की निर्मम हत्या कर रहा रिपर एक असाध्य रोग से ग्रस्त था और उससे बचने का उसके पास सिर्फ एक ही तरीका था!”



“जुड़वां स्पेशल में से सात्विक प्रवृत्ति वाले स्पेशल बच्चे की बलि!”

“अधिक प्रयास के बाद रिपर जुड़वा स्पेशल को ढूंढने में कामयाब हो गया लेकिन उससे एक गलती हो गई...”



“गैब्रियेल के अवतार जेम्स के धोखे में उसने ल्युसिफर के अवतार जैक की बलि दे डाली!”



“वैसे भी दुष्टात्माओं में सबसे विनाशकारी बच्चों की आत्माएं होती हैं और फिर जैक तो खुद ल्युसिफर का अवतार था।”

जैक की आत्मा हर साल हेलोवीन की रात जैक-ओ-लैंटर्न बन कर बच्चों को सम्मोहित करती और उनके द्वारा उनके माता-पिता को क्रॉस पर चढ़ा देती।

“क्योंकि जैक हेलोवीन की रात बच्चों को अपने वश में करता था इसलिए लोगों ने हेलोवीन रात्री को बच्चों को भूत-प्रेत और चुड़ैलों के रूप में सजाना शुरू किया ताकि जैक की आत्मा भ्रमित हो जाए कि ये बच्चे उसी के साथी हैं।”







“मैंने पेरानॉर्मल साइंस का अध्ययन किया और स्वामीनाथन की असिस्टेंट बन गई! अब इसे शैतान का चमत्कार कहो या फिर मेरे स्पेशल होने का भाग्य, स्वामीनाथन ने मेरे लिए वह राह खोल दी जिसे मैं वर्षों से तलाश रही थी।”



“स्वामीनाथन के बेटे अंश में जन्म से ही चमत्कारी शक्तियां थीं जोकि मानव विज्ञान से परे थीं।”

“उसका एक स्पर्श कोढ़ियों के कोढ़ ठीक कर सकता था।”

“अंश की शक्तियों का रहस्य जानने के लिए स्वामीनाथन ने अंश पर कुछ प्रयोग किये।”



“स्वामीनाथन ने सोल एनालाईज़र नामक एक मशीन बनाई थी जोकि किसी भी मनुष्य के पिछले सभी जन्मों का विवरण दे सकती थी।”

जानते हो कमांडो अंश की आत्मा छः सौ वर्ष पूर्व किसके शरीर में थी? खुद सेंट जेम्स के, जोकि फरिश्ते गैब्रिएल का अवतार था।



स्वामीनाथन नहीं चाहता था कि दुनिया इस बात को जाने, वह अपने बेटे को एक आम इंसान का जीवन देना चाहता था। बेवकूफ था। जो जन्म से ही स्पेशल हो उसे भला आम जीवन कैसे मिल सकता है!

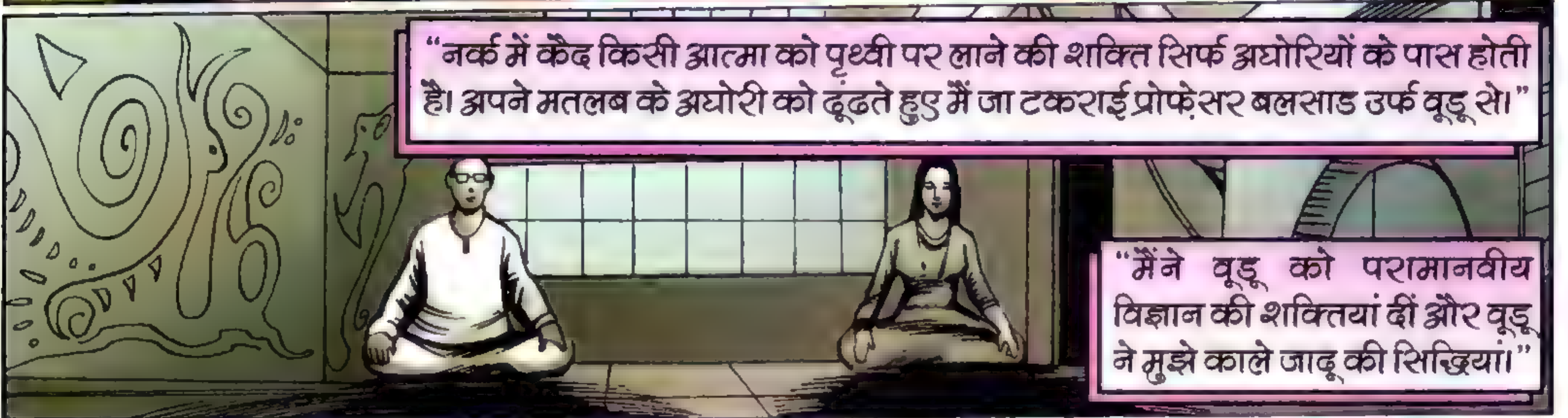
अंश के रूप में मुझे दुनिया भर के स्पेशल्स की सम्मिलित ऊर्जा हथियाने का रास्ता नज़र आ रहा था!



जानते हो कमांडो सेंट जेम्स के लिए अपने भाई जैक की आत्मा को नर्क में कैद करना इतना आवश्यक क्यों था? क्योंकि जैक की आत्मा सारी दुनिया में जिस एक शरीर पर कब्जा कर सकती थी वो उसके जुड़वा भाई जेम्स का था।

अंश एक तरीके से सेंट जेम्स का ही पुनर्जन्म था, यानी जैक की आत्मा अंश के शरीर में प्रविष्ट हो सकती थी।

लेकिन जैक की आत्मा तो नर्क में कैद थी?



“नर्क में कैद किसी आत्मा को पृथ्वी पर लाने की शक्ति सिर्फ अधोरियों के पास होती है। अपने मतलब के अधोरी को ढूँढते हुए मैं जा टकराई प्रोफेसर बलसाड उर्फ वूडू से।”

“मैंने वूडू को परामानवीय विज्ञान की शक्तियाँ दीं और वूडू ने मुझे काले जादू की सिखियाँ।”



“हमने जैक की आत्मा को नर्क से आजाद करके अंश के शरीर में प्रविष्ट करा दिया, लेकिन अंश की सदात्मा ने जैक की आत्मा को खुद पर हावी नहीं होने दिया।”



“दूसरी ओर वूडू मुझे ही डबल क्रॉस करने का प्लान बनाए बैठा था।”

“वूडू भी उसी असाध्य रोग से ग्रस्त था जिससे जैक का हत्यारा रिपर ग्रस्त था! यदि वूडू अंश की सदात्मा की बलि दे देता तो उसकी जान बच सकती थी।”

“वूडू को अंश चाहिए था और मुझे जैक! इस बीच स्वामीनाथन को मेरी योजना की भनक लग गयी और वह अंश को लेकर भाग निकला।”



वूडू ने इसी मौके का फायदा उठा कर अघोरा द्वारा स्वामीनाथन के परिवार पर हमला करवाया!

लेकिन बेचारा ये नहीं जानता था कि ऐसा कर के अघोरा द्वारा वो अंश के चारों ओर पाप शक्ति फैला रहा था जो जैक की आत्मा को बल दे रही थी!

अंश के शरीर में मौजूद जैक की आत्मा ने ही अघोरा, स्वामीनाथन और उसकी पत्नी की बलि ले ली?



अंश में सिर्फ एक कमी थी कि वह स्पेशल नहीं था।

उसके माता-पिता की मौत के बाद वह कमी भी दूर हो गई और अंश दुनिया के सभी स्पेशलस में सबसे अग्रणी बन गया।

जैक की आत्मा को क्रियान्वित करना आसान नहीं था। यह कार्य सिर्फ उस शख्स की आत्मा ही कर सकती थी जो कि स्पेशलस में जुड़वां हो और तामसिक प्रवृत्ति रखता हो।



और ये एलिजेबिलिटी तुम पूरा करती थीं।

बेशक, लेकिन मेरे सामने एक समस्या थी।

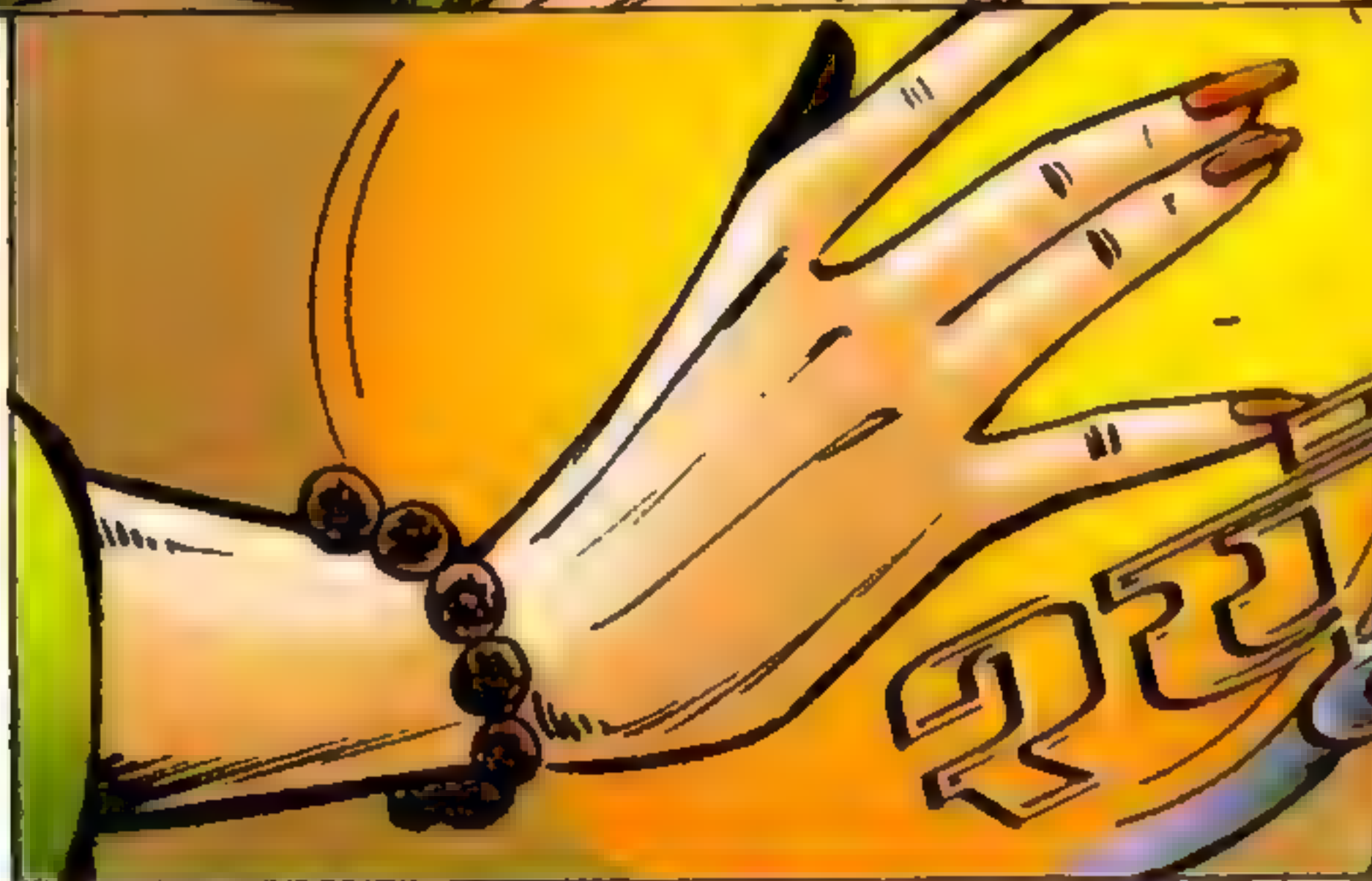
जैक को जीवित करने के लिए मुझे खुद मरना मंजूर नहीं था मैंने तंत्र सिद्धि से अपने शरीर से अपनी आत्मा को बाहर निकला।

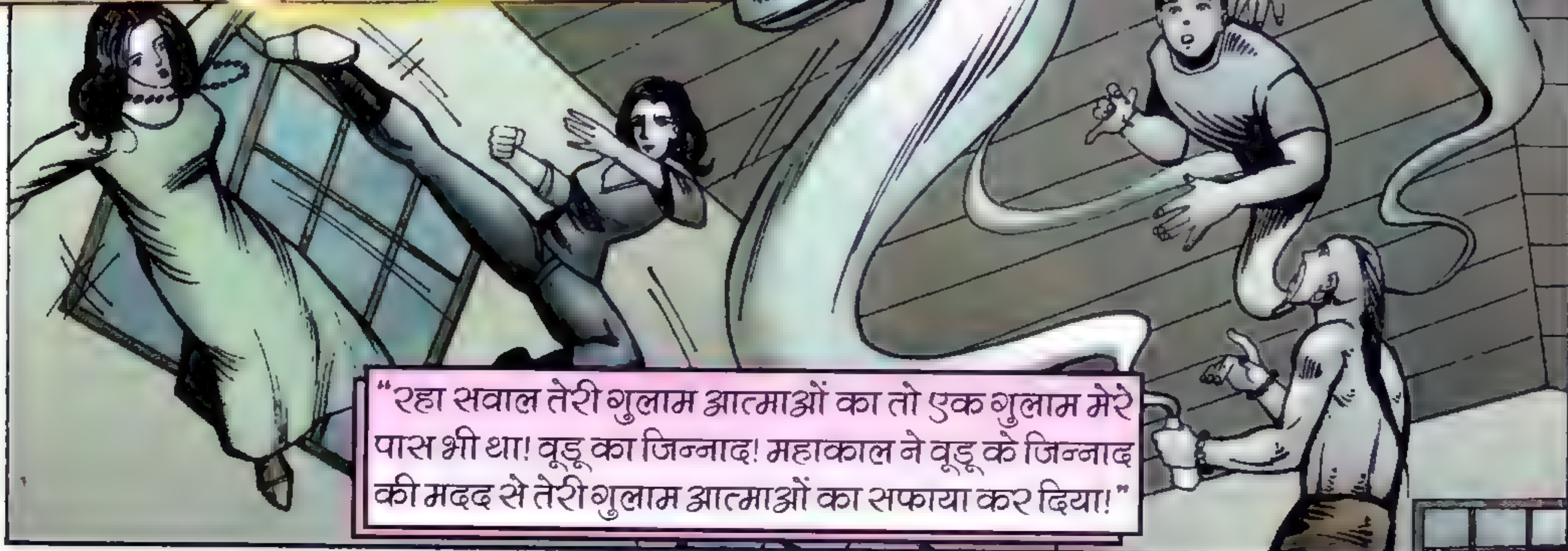
फिर तुमसे वे तंत्र बंधन कटवाए जोकि जैक की आत्मा को प्रबल बनाने का अहम हिस्सा थे।

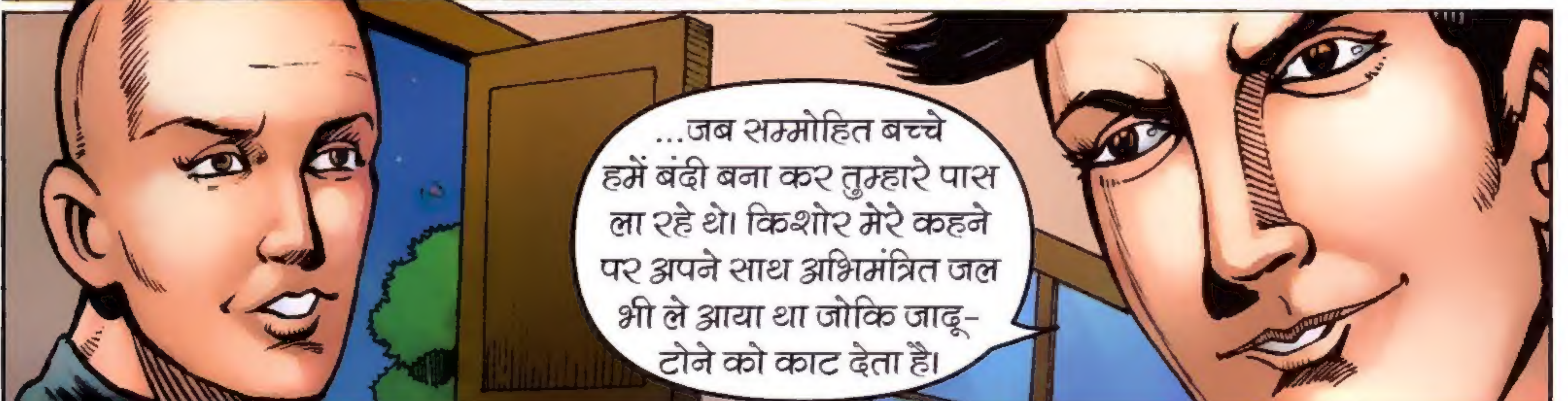
अंश के पूर्ण रूप से जैक बनने से लेकर मुझे पुनर्जीवित करने तक की प्रक्रिया में तुमने मेरी मदद की कमांडो।

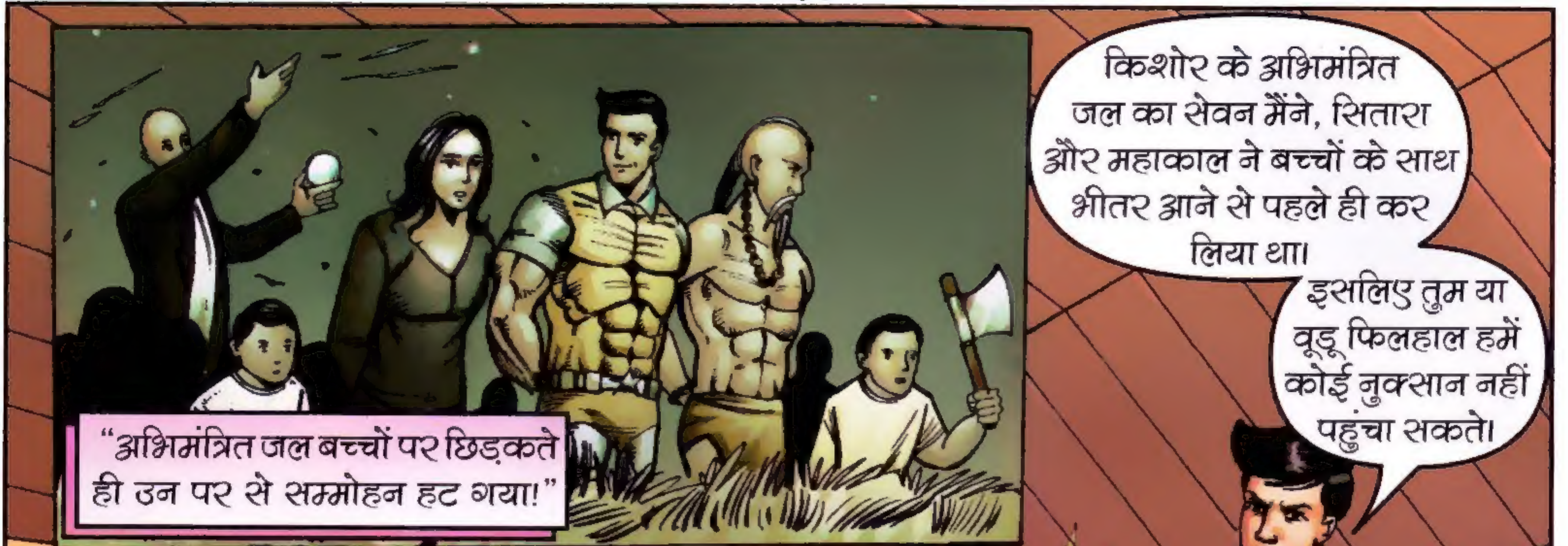












किशोर के अभिमंत्रित जल का सेवन मैंने, सितारा और महाकाल ने बच्चों के साथ भीतर आने से पहले ही कर लिया था।

इसलिए तुम या वूडू फिलहाल हमें कोई नुकसान नहीं पहुंचा सकते।



वूडू अघोरी समाज का दोषी है, इसे सजा अघोरी समाज के कानून के अनुसार ही मिलेगी।



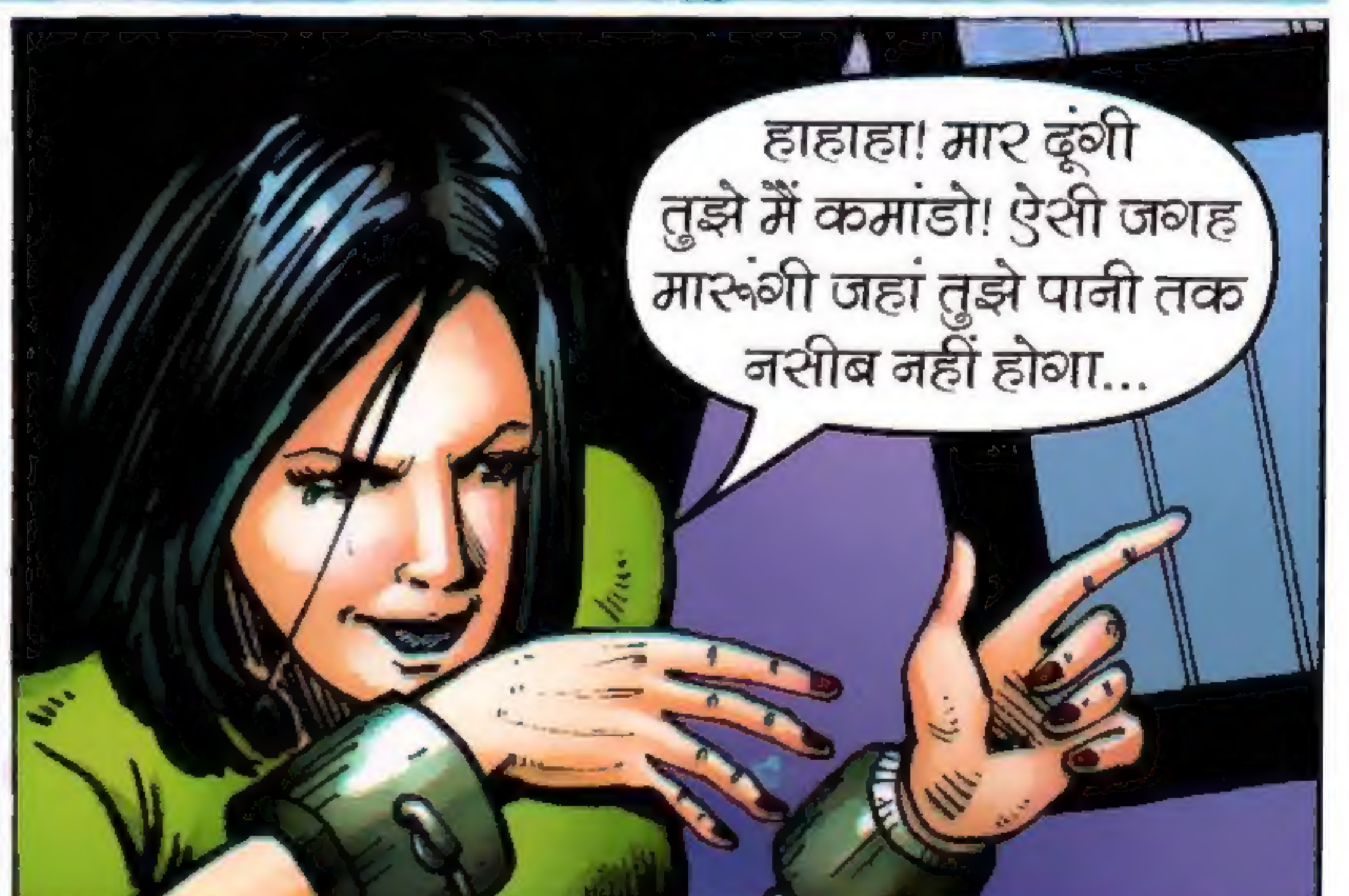
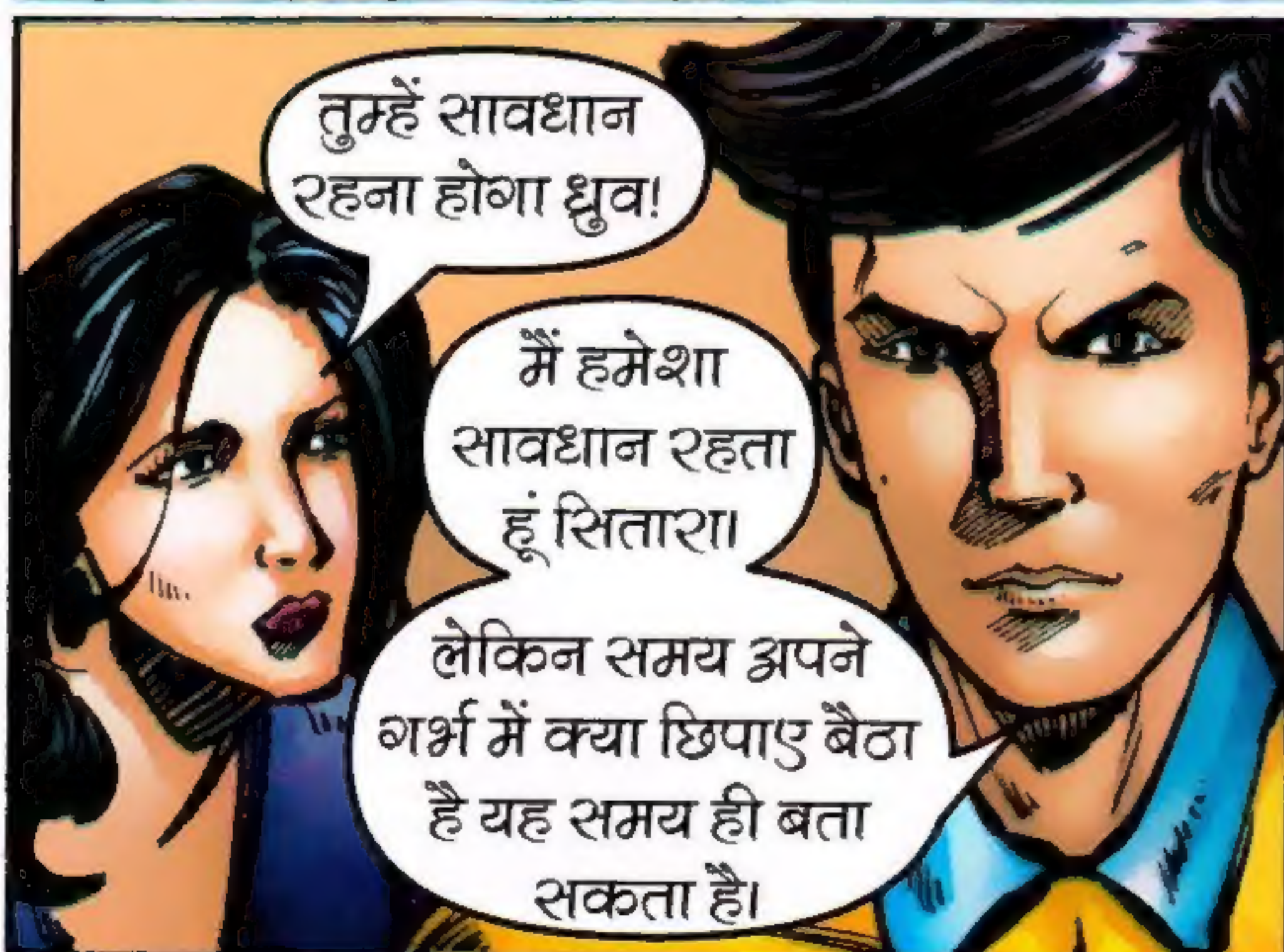
और अब तुम्हारी बारी कियारा...

मैं वूडू को बंदी बना कर अपने साथ ले जा रहा हूं!



यह पागलों की तरह बर्ताव क्यों करने लगी?

बारी...मेरी बारी... कियारा की बारी..हा!हा!हा!! कियारा तो स्पेशल है.. सबसे स्पेशल...!



हर नायक का एक युग होता है! पर हर युग का एक अंत भी होता है! अंत हो चुका है राजनगर में सुपर कमांडो ध्रुव के युग का भी! बची है तो सिर्फ उसकी यादें!

लेकिन हर युग के अंत के बाद शुरुआत होती है एक नए युग की! शुरू हो चुका है एक नया युग, और इस युग का सूत्रधार है एक कोड नेम...



कोड नेम कॉमेट

राज कॉमिक्स में सुपर कमांडो ध्रुव का एक युग परवर्तक कॉमिक्स विशेषांक!

EMANT
EMANT